सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

# परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 22, नई दिल्ली । गुरुवार, 04 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

कोशिश हमें अंतिम क्षण तक करनी चाहिए जीवन में सफलता मिले या ना मिले परंतु तजुर्बा तो मिलेगा ही।

03 सीएम केजरीवाल ने जेल में मांगी इलेक्ट्रिक केतली और कुर्सी-मेज
06 ट्यूनश-कोचिंग जरूरी या मजबूरी
08 फोर्ब्स : अरबपतियों की सूची में इस बार 31 भारतीय बढ़ गए

## टोलवा चेयरमैन आज परिवहन आयुक्त से मिले, जानें

सोबरन सिंह

दिलीप देवतवाल

परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली।** बुधवार दोपहर 2.30 बजे ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एंड लेबर वेलफेयर एसोसिएशन पंजीकृत (टोलवा) के चेयरमैन दिल्ली के वाहन मालिकों और चालकों को आ रही परेशानियों के हल के लिए परिवहन आयुक्त से आईपी डिपो डीटीसी मुख्यालय में मिले। इस बैठक में टोलवा चेयरमेन के साथ सोबरन सिंह राजपूत जो आटो चालकों को देखते हैं और परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के दिल्ली प्रमुख दिलीप देवतवाल मौजूद थे। बैठक में 6 मुद्दे उठाए गए। प्रमुख रुप में उठाए गए मुद्दो में व्यवसायिक वाहन मालिकों से

1. वीएलटीडी/पैनिक बटन की निगरानी के नाम पर ली जाने वाली फीस को तत्काल प्रभाव से बंद करना रहा। इसमें चेयरमेन द्वारा परिवहन आयुक्त को बताया गया की **आने वाले 2 महीनों के बाद डिम्ट्स से परिवहन विभाग निगरानी बंद करवा देगा फिर परिवहन विभाग वाहन मालिकों से डिम्ट्स को किस आधार पर 2 साल की फीस दिलवा रहा है**

2. व्यवसायिक वाहन जिनकी मान्य आयु सीमा समाप्त हो चुकी है के लिए एनओसी शुरू करवाई जाए, टोलवा चेयरमेन ने आयुक्त को बताया की एनजीटी, उच्च न्यायालय और परिवहन विभाग द्वारा जारी स्क्रैप पालिसी की एस.ओ.पी. के अनुसार भी एनओसी जारी होना आवश्यक है पर विभाग उसके बावजूद एनओसी जारी नही कर रहा है

3. टोलवा चेयरमेन ने परिवहन आयुक्त को निवेदन किया की **आटो शाखा में जो भी कार्य हस्तचालित कार्यशैली से करवाए जा रहे हैं उन्हें आनलाइन आवेदन प्रक्रिया से तत्काल शुरु करवाया जाए तथा आटो के परमिट हस्तांतरण पर जो 5 साल की बंदिश लगा रखी है को तत्काल हटाया जाए**

टोलवा चेयरमेन ने ऊपर लिखित मुद्दों के साथ अन्य मुद्दो से भी परिवहन आयुक्त को अवगत करवाया और परिवहन आयुक्त द्वारा उन अभी मुद्दों पर कार्रवाई करने की बात कही गई।

## दिल्ली में दर्दनाक हादसा: कश्मीरी गेट में DTC बस ने सड़क पार कर रहे शख्स को कुचला, मौत

परिवहन विशेष न्यूज

उत्तरी दिल्ली के कश्मीरी गेट थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को वसंत कुंज डिपो की डीटीसी बस (DTC Bus) ने कुचल दिया। पुलिस घायल को एंबुलेंस के जरिए सिविल लाइंस स्थित ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंची जहां डॉक्टर्स ने से मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कारी शाह के रूप में हुई है।

**नई दिल्ली।** उत्तरी दिल्ली के कश्मीरी गेट थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को वसंत कुंज डिपो की डीटीसी बस (DTC Bus) ने कुचल दिया। पुलिस घायल को एंबुलेंस के जरिए सिविल लाइंस स्थित ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर्स ने से मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कारी शाह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है और लाल रंग की डीटीसी बस को कब्जे में ले लिया है। पूछताछ में आरोपित बस चालक ने बताया कि एक मोटरसाइकिल सवार को बचाने के चक्कर में हादसा हो गया।

**किसी महिला ने दी सूचना**

पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह 10 बजे कश्मीरी गेट इलाके में मोरी गेट, खोया मंडी के पास से किसी महिला ने कॉल कर हादसे की जानकारी दी। कॉल पर पीसीआर के साथ ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

**बिहार के मधुबनी का रहने वाला था मृतक**

मृतक की पहचान उसके पास से मिले कागजात से बिहार के मधुबनी निवासी कारी शाह के रूप में हुई है। दिल्ली में वह कहा रह रहा था, इसका पता पुलिस को अभी नहीं चला है। पुलिस मृतक के परिवार का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

## दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे पर दर्दनाक हादसा, ट्रक अनियंत्रित होकर दुकानों में घुसा; 4 लोगों की मौत

पूरा मामला थाना कांधला क्षेत्र के कस्बा कांधला के दिल्ली बस स्टैंड का है. जहां बुधवार को एक कैंटेनेटर ट्रक बेहद तेज रफ्तार से दिल्ली की ओर से आया और बेहद तेजी के साथ सड़क किनारे एक फल की दुकान में जा घुसा, जिसमें दुकान तो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो ही गई साथ ही दुकान और आसपास में मौजूद लोग भी ट्रक की चपेट में आकर उसके नीचे दब गए.

**नई दिल्ली।** दिल्ली यमुनोत्री मार्ग पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब तेज रफ्तार से आ रहे एक कंटेनर ने वहां मौजूद लोगों के लिए काल का रूप ले लिया. कंटेनर की गति ज्यादा तेज होने के कारण वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक दुकान में जा घुसा और फिर पलट गया. इसकी चपेट में आने से 4 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई.

इस हादसे में दर्जनों लोग घायल हो गए. घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक को वहीं छोड़कर फरार हो गया. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत बचाव का काम करते हुए मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायलों को अस्पताल पहुंचाया. बताया जा रहा है कि ट्रक पीछे भी कहीं एक्सीडेंट करके आ रहा था, जिसके पीछे पुलिस लगी हुई थी. पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है.

**ट्रक की चपेट में आ गए कई लोग**

पूरा मामला थाना कांधला क्षेत्र के कस्बा कांधला के दिल्ली बस स्टैंड का है. जहां बुधवार को एक कैंटेनेटर ट्रक बेहद तेज रफ्तार से दिल्ली की ओर से आया और बेहद तेजी के साथ सड़क किनारे एक फल की दुकान में जा घुसा, जिसमें दुकान तो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो ही गई साथ ही दुकान और आसपास में मौजूद लोग भी ट्रक की चपेट में आकर उसके नीचे दब गए. इस हादसे में चार लोगो की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दर्जनों की संख्या में लोग भी घायल हो गए.

**कोई और सड़क दुर्घटना करके आ रहा था ट्रक**

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिषेक और थाना कांधला पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. जानकारी ये भी है कि ट्रक कांधला के पास कस्बा एलम में कोई सड़क दुर्घटना करके आ रहा था. भागने की हड़बड़ी में यह भीषण हादसा हुआ है.वहीं हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा. पुलिस ने कंटेनर ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है. वहीं सड़क हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है.

## दिल्ली मेट्रो: येलो लाइन पर ट्रेनों की गति बढ़ी, देरी की समस्या से मिलेगी राहत

परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली।** दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने येलो लाइन पर छतरपुर और सुल्तानपुर के बीच स्पीड में बदलाव किया है। पहले इस रूट पर ट्रेनों की गति 20 किलोमीटर प्रति घंटे तक सीमित थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 25 किलोमीटर प्रति घंटे कर दिया गया है।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने मंगलवार को येलो लाइन पर छतरपुर और सुल्तानपुर के बीच 20 किलोमीटर प्रति घंटे का अस्थायी गति प्रतिबंध लगा दिया था। यह प्रतिबंध एयरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर (पीएच 4) के लिए एक सुरंग के निर्माण के कारण लगाया गया था।

DMRC ने कहा है कि वे यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा से बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सिस्टम के अंदर सभी ज़रूरी घोषणाएं कर दी हैं और ट्रेनों की आवाजाही को नियंत्रित किया गया है।

दिल्ली मेट्रो, दिल्ली और आसपास के शहरों को जोड़ने वाला एक शानदार रेल तंत्र है। इसकी 12 रंगीन लाइनें, 288 स्टेशनों से होकर गुजरती हैं और 392 किलोमीटर से भी ज्यादा का रास्ता तय करती हैं। यह तंत्र दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुड़गांव, फरीदाबाद, बहादुरगढ़ और बल्लभगढ़ को आपस में जोड़ता है और लोगों को आसानी से यात्रा करने में मदद करता है।

टैंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने का बढ़ता प्रचलन सड़क पर क्रोध की घटनाओं में वृद्धि में योगदान देता है।

## किशोरों के लिए सड़क नियम: "सुरक्षित और कानूनी ड्राइविंग को बढ़ावा देना": अंकुर शरण

*भारत में 18 वर्ष से कम आयु का कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक स्थान पर मोटर वाहन नहीं चला सकता है। इसके अलावा अगर कोई व्यक्ति की उम्र 16 साल से अधिक होती है तो वह लर्नर लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही 50cc से अधिक इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिल चला सकता है।*

परिवहन विशेष न्यूज

**माइनर ड्राइविंग,** जहां कम उम्र के व्यक्ति वाहन चलाते हैं, के कई हानिकारक दुष्प्रभाव होते हैं। सबसे पहले, युवा ड्राइवरों में अनुभव, परिपक्वता और उचित प्रशिक्षण की कमी के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा काफी बढ़ जाता है। इन दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप न केवल कम उम्र के ड्राइवरों को बल्कि यात्रियों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं को भी गंभीर चोटें या मृत्यु हो सकती है। इसके अलावा, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने का बढ़ता प्रचलन सड़क पर क्रोध की घटनाओं में वृद्धि में योगदान देता है। युवा ड्राइवरों में सड़क पर तनावपूर्ण स्थितियों को संभालने के लिए आवश्यक भावनात्मक नियंत्रण और आवेग प्रबंधन कौशल की कमी हो सकती है, जिससे आक्रामक व्यवहार होता है जो अन्य ड्राइवरों के साथ संघर्ष को बढ़ाता है। इसके अलावा नाबालिग ड्राइविंग (किशोर द्वारा ड्राइविंग) अक्सर ओवरस्पीडिंग से संबंधित होती है, क्योंकि अनुभवहीन ड्राइवर अत्यधिक गति के खतरों को कम आंक सकते हैं या सुरक्षित गति बनाए रखने के लिए निर्णय की कमी कर सकते हैं। यह लापरवाह व्यवहार न केवल कम उम्र के ड्राइवरों के जीवन को खतरे में डालता है, बल्कि सड़क पर चलने वाले सभी लोगों के लिए भी एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करता है। भारत में 18 वर्ष से कम आयु का कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक स्थान पर मोटर वाहन नहीं चला सकता है। इसके अलावा अगर कोई व्यक्ति की उम्र 16 साल से अधिक होती है तो वह लर्नर लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही 50cc से अधिक इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिल चला सकता है। इन नियमों को तोड़ने पर नाबालिग बच्चे की जगह पिता को भारी भरकम चालान का सामना करना पड़ सकता है। वहीं इसके कृत्य के लिए पिता को जेल भी जाना पड़ सकता है। आइये जानते हैं क्या है यातायात नियम, यदि आपका बच्चा 18 वर्ष से कम आयु का है और बिना किसी लर्नर लाइसेंस के मोटर वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है, तो उस स्थिति में, आपको मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 199A के तहत दंडित किया जाएगा। अभिभावक को अधिकतम दंड के रूप में तीन साल की कैद और पच्चीस हजार रुपये का जुर्माना देना पड़ सकता है।

**निष्कर्षतः,** छोटी गाड़ी चलाने के चलन का सड़क सुरक्षा पर गहरा प्रभाव पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं, सड़क पर गुस्से की घटनाओं और ओवरस्पीडिंग में वृद्धि होती है। इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें ड्राइविंग कानूनों को सख्ती से लागू करना, सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं पर व्यापक शिक्षा और युवा ड्राइवरों की निगरानी में माता-पिता की भागीदारी बढ़ाना शामिल है।

# पति की किस्मत चमकाने के चमत्कारी उपाय, जानिए यह ऐसे 5 उपाय जो बदल देंगे आपकी फूटी किस्मत

किस्मत चमकाने के चमत्कारी उपाय : पति-पत्नी का रिश्ता प्रेम और विश्वास का होता हैं। पत्नी पति के लिए कुछ भी करने को तैयार रहती हैं। हिन्दू धर्म में पत्नी को लक्ष्मी के समान माना जाता हैं। जब किसी लड़की की शादी होती हैं और विवाह के बाद पहली बार अपने ससुराल जाती हैं तो बहु का स्वागत-सत्कार माता लक्ष्मी के समान किया जाता हैं। ज्योतिष शास्त्रों में पति की किस्मत चमकाने के कई उपाय बताएं गए हैं। ये सभी उपाय पत्नी द्वारा ही किया जा सकता हैं। अगर आपके पति द्वारा किये गए हर कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही हैं और आर्थिक समस्याएं परेशान कर रही हैं तो नीचे बताएं गए उपायों से पति की किस्मत बदल सकती हैं। पतिव्रता पत्नी पुरुष की किस्मत बदल सकती हैं। जो पत्नी सच्चे मन और श्रद्धा पूर्वक पतिव्रत धर्म का पालन करते हुए पति के लिए भगवान से कुछ मांगती हैं उसकी इच्छा अवश्य पूर्ण होती हैं। ज्योतिष शास्त्र में कुछ ऐसे उपाय बताएं गए हैं जो फूटी किस्मत को बदल सकने में सक्षम हैं। पति की किस्मत चमकाने के 5 सबसे जबरदस्त उपाय अगर आप भी चाहती हैं अपने पति की किस्मत चमकाना तो आजमाना होगा कुछ बेहतरीन टोटके जो पति के भाग्य को रातों रात बदल देगी।

1. नीम की पत्तियों से पति की किस्मत चमकाएं माना जाता हैं की नीम के पेड़ का संबंध गणेश जी, निमरी देवी और माँ शक्ति से हैं। इस पेड़ पर गणेश जी रहते हैं। पुरानी मान्यताओं के अनुसार, इस पेड़ की सिर्फ 3 पत्तियों का टोटका पति की किस्मत बदलने के लिए पर्याप्त हैं। जो स्त्री कुल देवी की पूजा के दौरान नीम की तीन पत्तियों को तोड़कर देवी पर अर्पित कर 108 बार लक्ष्मी मंत्र या कुल देवी के नाम का जाप करती हैं उसके पति की किस्मत खुल जाती हैं। ध्यान रहे की उपाय सुबह-सुबह स्नान के पश्चात ही करनी चाहिए। पूजा सम्पन्न होने के बाद नीम की पत्तियों को पति के पर्स में रख देना चाहिए।

2. पति की किस्मत चमकाने के उपाय हैं नारियल का टोटका अगर पत्नी चाहे तो पति की खराब किस्मत को भी जगा सकती हैं। विवाहित स्त्रियों को प्रतिदिन स्नान जरुर करना चाहिए। नारियल का टोटका स्नान के पश्चात ही करें। स्नान के बाद नारियल का बाहरी कठोर आवरण इस टोटके में उपयोग करना हैं। एक नारियल का सबसे कठोर आवरण लेकर उसमें चीनी और सिंदूर डालकर पीपल के जड़ के पास मिट्टी खोदकर अंदर डाल देना हैं। ऐसा करने से पति के रुके हुए कार्य पूर्ण हो जाते हैं। व्यापार और जॉब में आ रही समस्याएं दूर हो जाती हैं।

3. मां पार्वती और लक्ष्मी जी की प्रतिदिन करें पूजा जो महिलाएं रोज माता की पूजा करती हैं उनके पति की असमय मृत्यु नहीं होती हैं। माता पर लाल रंग के फुल के साथ सिंदूर चढाने से पति के जीवन में आ रही कठिनाइयां दूर हो जाती हैं। रोज सुबह उठकर माता की आरती जरुर करें। व्यापार में बढ़ोतरी होगी और आर्थिक समस्याएं नष्ट हो जाएंगी।

4. पति के लिए व्रत और पूजा करें जो महिलाएं पति के लिए व्रत रखती हैं उन्हें ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होता हैं। पति की उम्र बढती हैं। मान्यता हैं की पत्नी द्वारा रखें गए व्रत का फल पति को अवश्य मिलता हैं। दरसल हिन्दू धर्म में पत्नी को अर्धांगिनी कहा जाता हैं। दो शरीर होते हुए भी वास्तव वे एक ही हैं। इस लिए पत्नी को पति के लिए व्रत जरुर रखना चाहिए। इसके अलावे सुबह-सुबह स्नान करके पूजा करके ताम्बे के बर्तन में रखें जल को घर में सभी जगह छिड़कना चाहिए।

5. दीपक जरुर जलाएं हिन्दू घरों में प्रतिदिन भगवान के सामने दीपक जरुर जलाया जाता हैं। अगर पति की किस्मत खराब चल रही हैं तो इस स्थिति में आपको संध्या काल में घर में मन्दिर में घी के दिए जरुर जलाएं। इससे नकारात्मकता दूर होती हैं। शाम के वक्त दीपक घर के मन्दिर के अलावे घर के बाहर भी जलाएं। आंवला और शमी के पेड़ के नीचे भी दीपक जलाने से पति के जीवन में उत्पन्न हो रही समस्त बाधाओं का अंत होगा।

## हिंदू मंदिर ने तोड़े सभी रिकार्ड्स

अबू धाबी में बना पहला हिंदू मंदिर काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। मंदिर की भव्यता की वजह से एक माह के भीतर यहां 3.5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की संख्या का आंकड़ा पार कर चुका है। इस मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी में बसंत पंचमी के दिन किया था और एक मार्च को आगंतुकों के लिए खोल दिया गया था। मंदिर के एक प्रवक्ता ने बताया, 'पहले महीने में करीब साढ़े तीन लाख भक्त दर्शन करने के लिए आए थे। इनमें से 50,000 प्रत्येक सप्ताहांत (शनिवार-रविवार) का दौरा करते थे। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सोमवार को मंदिर निजी प्रार्थना आयोजित करता है और आगंतुकों के लिए बंद रहता है। इसका मतलब है कि मार्च में 31 दिनों में से केवल 27 दिन ही आमजन मंदिर में दर्शन कर सके।' उन्होंने कहा, 'मंगलवार से रविवार तक हर शाम साढ़े सात बजे स्वामीनारायण घाट के तट पर गंगा आरती होती है। बता दें इस घाट को भारत से लाए गए गंगा और यमुना के पवित्र जल का उपयोग करके बनाया गया है।' भव्य मंदिर का उद्घाटन 14 फरवरी को एक समारोह के दौरान किया गया था, जिसमें 5,000 से अधिक आमंत्रित लोगों ने भाग लिया था। अबू धाबी स्थित पहले हिंदू मंदिर की वास्तुकला में यूएई के सात अमीरातों का प्रतिनिधित्व करने वाली सात मीनारें, ऊंटों की नक्काशी और राष्ट्रीय पक्षी बाज भी हिस्सा हैं। मंदिर का निर्माण बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था ने दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल रहबा के पास अबू मुरखा में 27 एकड़ स्थल पर लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से किया है। खास बात है कि मंदिर के लिए जमीन यूएई सरकार ने दान में दी थी। प्रमुख स्वामी ब्रह्म हरिदास के मुताबिक मंदिर में 7 शिखर बनाए गए हैं जो 7 अमीरातों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो संयुक्त अरब अमीरात बनाने के लिए एक साथ आते हैं। सात शिखरों पर भगवान राम, भगवान शिव, भगवान जगन्नाथ, भगवान कृष्ण, भगवान स्वामीनारायण, तिरुपति बालाजी और भगवान अयप्पा सहित देवताओं की मूर्तियां हैं।

# सपने में एक ही इंसान को बार-बार सपने में देखना

## सपने में अनजान व्यक्ति को मरते हुए देखने का मतलब क्या होता है

सपने में एक ही इंसान को बार-बार सपने में देखना और सपने में अनजान व्यक्ति को मरते हुए देखना कैसा होता हैं – कई बार सपने व्यक्ति को इस कदर परेशान करते हैं की चिंता और मानसिक टेंशन के चलते अपने इंसान अपने दैनिक कार्यों को भी भूल जाता हैं। एक ही इंसान को बार-बार सपने में देखना भी एक ऐसा ही सपना हैं जो अक्सर लोगों को सोचने पर विवश कर देता हैं।आइये विस्तार से जानते हैं एक ही इंसान को बार-बार सपने में देखना क्या इशारा करता हैं।

सच कहे तो सपने पर किसी का कण्ट्रोल नहीं होता हैं। सपने रात या दिन कभी भी सोने के बाद आ सकते हैं। कुछ लोगों को सोते वक्त सपने में कोई विशेष वस्तु या व्यक्ति बार-बार नजर आता हैं। ऐसे में व्यक्ति के मन में इस सपने का मतलब जानने की जिज्ञासा का उत्पन्न होना स्वाभाविक हैं।

### सपने में एक ही इंसान को बार-बार देखना

एक ही इंसान को बार-बार सपने में देखना मिले जुले प्रभावों वाला माना जाता हैं। यह सपना आपके अंदर के डर को दर्शाता हैं। आप किसी ऐसी परिस्थिति में बुरी तरह फंस चुके हैं या फंसने वाले जो आपकी लाइफ में मुसीबतों का बवंडर खड़ा कर सकता हैं। आप भूतकाल में किसी ऐसी घटना के साक्षी रहे जिसे आप चाह कर भी भूल नहीं पा रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी और अज्ञात भय इस स्वप्न का कारण हो सकता हैं। यह सपना किसी ऐसे व्यक्ति के प्रति आकर्षण को दर्शाता हैं जिसके साथ आप भावनात्मक रूप से काफी अटैच हैं या थे। जब व्यक्ति किसी प्रेम में होता हैं और किसी वजह से उसका ब्रेकअप हो जाता हैं तो ऐसा अक्सर होता हैं।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यह सपना पूर्वजों से मिलने वाला संकेत हैं। शास्त्र कहते हैं की अगर कोई इंसान बार-बार सपने में जोर-जोर से आप पर हँसता हुआ दिखाई देता हैं तो इसका मतलब हैं की आप पर ऐसी विपत्ति आने वाली हैं जिसके चलते समाज में आपकी इज्जत को ठेस लग सकती हैं।

अगर आपका कोई करीबी जैसे आपका लवर सपने में बार-बार दिखाई देता हैं तो इसका मतलब हैं की अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का सही समय आ गया हैं। आप अपने पार्टनर से मोहब्बत तो करते हैं लेकिन आपके मन में किसी तरह का डर बैठा हुआ हैं। इस सपने का एक और मतलब यह हैं की आपके द्वारा भुतकाल में कुछ ऐसी गलतियाँ हुई हैं जो आपको नहीं करनी चाहिए थी। ऐसी स्थिति में ईश्वर पर विश्वास रखें। गलतियों के लिए क्षमा मांगते हुए ईश्वर की पूजा सच्चे हृदय से करने पर अशुभ स्थिति टल जाएगी।

### मरे हुए इंसान को दोबारा मरते देखना

मरे हुए इंसान को दोबारा मरते देखना एक ऐसा सपना हैं जो रात के समय देखे जाने के बाद व्यक्ति को भयभीत कर सकता हैं। अगर आपने किसी ऐसे व्यक्ति को सपने में मरते हुए देखा हैं जो असल जीवन में पहले से मृत हैं तो सवधान हो जाएं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यह सपना भविष्य में आने वाले उन घटनाओं के संकेत हैं जिसके घटित होने की सम्भावना आपके हिसाब से न के बराबर हैं। अर्थात निकट समय में कुछ ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होगी जो आपको आश्चर्यचकित कर सकता हैं। ये परिस्थितियां डायरेक्टली या इनडिरेक्टली आपको प्रभावित करेगी।

### सपने में अनजान व्यक्ति से बात करना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में अनजान व्यक्ति से बात करना जीवन में किसी ऐसे व्यक्ति के आने के संकेत देते हैं जो हर परिस्थिति में आपके साथ खड़ा रहेगा। अगर यह सपना कोई युवा अविवाहित व्यक्ति देखता हैं तो इसका मतलब हैं की जल्द ही आपके जीवन में जीवनसाथी की एंट्री होने वाली हैं। अगर यह सपना किसी विवाहित और कामकाजी पुरुष या स्त्री को आता हैं तो इसका अर्थ हैं की आपके जीवन में कोई ऐसा व्यक्ति आएगा जो आपकी मदद करने के लिए हर वक्त तैयार रहेगा।

### सपने में मृत व्यक्ति को गले लगाना

इस डरावने सपने को देखने के बाद व्यक्ति के मन पहला विचार यही आता हैं की कही मैं भी तो मृत्यु को प्राप्त होने वाला नहीं। दोस्तों यह सपना अशुभ माना जाता हैं। हालांकि इस सपने का अर्थ कुछ अलग ही हैं। स्वप्न शास्त्र कहता हैं की यह सपना व्यक्ति को आने वाली परिस्थितियों को लेकर सावधान करता हैं। सपने में मृत व्यक्ति को गले लगाना इंगित करता हैं की आप जिस किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हैं उसमें सफलता के रास्ते में अनेक समस्याएं उत्पन्न होगी। इस सपने को देखने के बाद मंथन करा आवश्यक हैं। अगर आप गलत रास्ते पर हैं तो समय रहते सही रास्ते या लक्ष्य का चयन करें।

### सपने में किसी अनजान व्यक्ति को मरते हुए देखना

दोस्तों, सपने में किसी अनजान व्यक्ति को मरते हुए देखना अच्छा नहीं माना जाता हैं। भविष्य में आपको शारीरिक और मानसिक कष्ट झेलना पड़ सकता हैं। आपके जीवन में कुछ ऐसी घटनाएं या समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं जो आपको विचलित करेगी। अतः मन को शांत करने का प्रयत्न करें और ईश्वर की भक्ति करें। मानसिक तनाव से दूर रहें ताकि शांत मन से समस्या का हल निकाला जा सकें।

# पाप से मुक्ति पाने के लिए पापमोचनी एकादशी पर करें ये खास उपाय : जाने अनजाने में किए गए पाप से मुक्ति मिलती

पापमोचनी एकादशी का महत्व सभी एकादशी तिथियों में बहुत खास माना गया है। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा एक साथ करनी चाहिए। इस दिन पापमोचनी एकादशी के कुछ खास उपाय करने से आपके जाने अनजाने में किए गए पाप से मुक्ति मिलती है। आपकी तरक्की में आ रही बाधाएं दूर होती हैं।

आपके कार्य में आ रही हर प्रकार की रुकावट दूर हो रही है। पापमोचिवी एकादशी के बारे में शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान विष्णु को यह तिथि बहुत प्रिय है। इस दिन व्रत करने से आपको श्रीहरि की विशेष कृपा से करियर में तरक्की होती है। आइए जानते हैं पापमोचनी एकादशी के अचूक उपाय।

पापमोचनी एकादशी के शुभ अवसर पर आप गेंदे के फूल से अपने पूजा घर, रसोई घर और तुलसी के पौधे को सजाएं। इस उपाय को करने से आपके घर की हर बुरी नजर से रक्षा होती है और आपके घर परिवार के लोग सुखी संपन्न रहते हैं। अगले दिन इन फूलों को बहते जल में प्रवाहित कर दें।

पापमोचनी एकादशी पर शाम के वक्त घर के मुख्य द्वार पर 9 बत्तियों वाला दीपक जलाएं। ऐसा करने से आपके घर की तरफ मां लक्ष्मी आकर्षित होती हैं और आपके घर में सुख संपदा बढ़ती है। आपके सुख में वृद्धि होती है और मां लक्ष्मी सदैव आपके घर में वास करती हैं।

पापमोचनी एकादशी पर प्रदोष काल में घी का दीपक जलाकर रखें और उसके सामने बैठकर विष्णु सहस्त्रनाम से पाठ करें। ऐसा करने से आपको हर प्रकार के पाप से मुक्ति मिलती है। आपके घर परिवार के लोग हर प्रकार की विघ्न बाधा से दूर रहते हैं और उनके हर कार्य बिना रुकावट के पूर्ण होते हैं।

### पापमोचनी एकादशी पर चावल का उपाय

पापमोचनी एकादशी पर चावल का यह उपाय करना बहुत ही अच्छा होता है। वैसे तो एकादशी के दिन चावल को स्पर्श करने के लिए भी मना किया गया है। इस दिन चावल का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। इसके अलावा इस पूजा में चावल रखकर उस पर दीपक रखकर जलाएं। दीपक के पूरा जल जाने के बाद उन चावल को लाल पोटली में बांधकर अपनी तिजोरी में रख लें। इस उपाय को करने से आपको जीवन में कभी धन हानि नहीं होगी।

पापमोचनी एकादशी पर सुबह स्नान करने के बाद पति और पत्नी मिलकर सुबह के वक्त तुलसी के पौधे में एक साथ कलावा बांधें। इस उपाय को करने से आपके बीच में प्रेम बढ़ता है और आपका दांपत्य जीवन सुखमय होता है। आपके घर में सुख शांति परस्पर स्नेह बढ़ता है। जिन पति-पत्नी के बीच में लड़ाई और मतभेद होते हैं। उनको यह काम करना चाहिए।

### पापमोचनी एकादशी तिथि और शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 04 अप्रैल, 2024 दिन बृहस्पतिवार शाम 04 बजकर 16 मिनट पर शुरू होगी। साथ ही इसका समापन अगले दिन 05 अप्रैल, 2024 दिन शुक्रवार दोपहर 01 बजकर 28 मिनट पर होगा। उदयातिथि को देखते हुए इस दिन का व्रत 05 अप्रैल को रखा जाएगा।

### पापमोचनी एकादशी से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

इस दिन का उपवास भक्त शांतिपूर्ण जीवन जीने और अपनी पिछली गलतियों की क्षमा के लिए करते हैं। इस व्रत का महत्व स्वयं भगवान कृष्ण ने राजा युधिष्ठिर को समझाया था और यह भविष्योत्तर पुराण में पाया जा सकता है। यह एकादशी चैत्र माह के कृष्ण पक्ष के दौरान आती है। पापमोचनी दो शब्दों से मिलकर बना है - पाप और 'मोचनी'। इसका अर्थ है पाप समाप्त करने वाला। एकादशी का व्रत भगवान विष्णु की पूजा के लिए और अपने सभी पापों से मुक्ति पाने के लिए बहुत ही उत्तम माना जाता है।

# बिना चश्में के अगर सूर्य ग्रहण देख लिया तो क्या आप अंधे हो जाएंगे? : 8 अप्रैल को सूर्य ग्रहण

सूर्य ग्रहण एक खगोलीय घटना है जो तब होती है जब चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच आ जाता है. धनलाभ के लिए सूर्य ग्रहण के समय कुछ विशेष उपाय किए जाते हैं. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्यग्रहण के समय विशेष योग होते हैं जो धनलाभ और प्रतिष्ठा को बढ़ावा देते हैं. यह कहा जाता है कि सूर्यग्रहण के समय यदि व्यक्ति ध्यान और पूजा करता है, तो उसे आर्थिक स्थिति में सुधार, धनलाभ, और आर्थिक समृद्धि मिल सकती है. हालांकि, यह सभी धर्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं पर निर्भर करता है और इसे विश्वसनीयता के साथ लेना चाहिए. कुछ लोग इसे केवल धार्मिक और आध्यात्मिक संबंधों के रूप में मानते हैं, जबकि कुछ इसे ज्योतिषीय प्रणाली के अनुसार अनुष्ठान करते हैं. इसलिए, इस विषय में अनुभव, ध्यान, और ज्ञान की आवश्यकता होती है.

ग्रहण को लेकर भारतीय समाज में तरह-तरह की कहानियां और बाते हैं. खासतौर से सूर्य ग्रहण को ज्यादा खास माना जाता है, यही वजह है कि उसे लेकर ज्यादा गंभीर कहानियां भारतीय समाज और पूरी दुनिया में फैली हुई हैं. जैसे कहा जाता है कि सूर्य ग्रहण को नंगी आंखों से नहीं देखा जाता. अगर किसी ने ऐसा किया तो वो अंधा हो जाएगा. लेकिन अब सवाल उठता है कि क्या ऐसा सच में होता है. चलिए आपको इसी सवाल का जवाब देते हैं.

### 8 अप्रैल 2024 को सूर्य ग्रहण

8 अप्रैल 2024 को पूरे अमेरिका में सूर्य ग्रहण देखने को मिलेगा. ये पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा. ऐसे में बहुत से लोगों के मन में ये सवाल है कि अगर वो इस सूर्य ग्रहण को बिना चश्में के देख लेते हैं तो क्या उनकी आंखों की रौशनी चली जाएगी. वहीं जिन लोगों के पास चश्मा नहीं होता वो लोग किसी और चीज की मदद से सूर्य ग्रहण को देखते हैं. भारतीय गांवों में कई बार लोग इस तरह के सूर्य ग्रहण को एक्स-रे वाली शीट की मदद से देखते हैं.

### अगर नंगी आंखों से देख लिया तो क्या होगा?

इस मामले में अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का कहना है कि अगर आप सूर्य ग्रहण को नंगी आंखों से देखते हैं तो इससे आप अंधे नहीं होंगे. हालांकि, अगर आप सूर्य की ओर लंबे समय तक देखते रहेंगे तो इससे आपकी आंखों की रेटिना पर असर पड़ सकता है. दरअसल, पूर्ण सूर्य ग्रहण में भले ही सूरज का 99 फीसदी हिस्सा ढक जाए, लेकिन उसका एक फीसदी हिस्सा जो किनारों का होता है उससे रोशनी आती है.

ये रौशनी आपकी आंखों पर असर डाल सकती है और इससे आपके रेटिना को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि जब भी कभी सूर्य ग्रहण देखें तो चश्में का प्रयोग जरूर करें. ध्यान रहे कि ये चश्मा पारदर्शी ना होकर धूप वाला चश्मा हो यानी उसके ग्लास काले हों तो और अच्छा.

### सूर्य ग्रहण के दौरान धनलाभ के लिए किए जाने वाले कुछ उपाय :

**दान :** सूर्य ग्रहण के दौरान दान करना बहुत पुण्यदायी माना जाता है. आप गरीबों को दान कर सकते हैं, या किसी धार्मिक संस्थान में दान कर सकते हैं.

**मंत्र जाप:** सूर्य ग्रहण के दौरान सूर्य मंत्र का जाप करना बहुत लाभदायी माना जाता है. आप ₹ॐ सूर्याय नमः₹ मंत्र का 108 बार जाप कर सकते हैं.

**सूर्य देव की पूजा:** सूर्य ग्रहण के दौरान सूर्य देव की पूजा करना बहुत लाभदायी माना जाता है. आप सूर्य देव को जल अर्पित कर सकते हैं, और उन्हें फल और फूल चढ़ा सकते हैं.

**तांबे के बर्तन में पानी भरकर रखें:** सूर्य ग्रहण के दौरान तांबे के बर्तन में पानी भरकर रखें. सूर्य ग्रहण के बाद इस पानी को पीने से धनलाभ होता है.

**सूर्य ग्रहण के बाद स्नान करें:** सूर्य ग्रहण के बाद स्नान करना बहुत शुभ माना जाता है. स्नान करते समय गंगाजल का उपयोग करें.

सूर्य ग्रहण के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां भी जान लें. सूर्य ग्रहण को नंगी आंखों से न देखें. सूर्य ग्रहण को नंगी आंखों से देखना आंखों के लिए हानिकारक हो सकता है. सूर्य ग्रहण को देखने के लिए विशेष चश्मे का उपयोग करें. गर्भवती महिलाओं को सावधानी बरतनी चाहिए. गर्भवती महिलाओं को सूर्य ग्रहण के दौरान बाहर नहीं जाना चाहिए. अगर उन्हें बाहर जाना पड़े, तो उन्हें विशेष सावधानी बरतनी चाहिए. सूर्य ग्रहण के दौरान खाना-पीना नहीं करना चाहिए. सूर्य ग्रहण के दौरान सोना भी नहीं चाहिए. इन उपायों का प्रभाव व्यक्ति की आस्था और विश्वास पर निर्भर करता है. आप इन उपायों को करने से पहले किसी ज्योतिषी से सलाह लेना उचित है।

# केजरीवाल ने जेल में मांगी इलेक्ट्रिक केतली और कुर्सी-मेज, दिल्ली की कोर्ट ने दिया ये आदेश

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तिहाड़ जेल में इलेक्ट्रिक केतली मेज और कुर्सी उपलब्ध कराने का कोर्ट ने निर्देश दिया है। न्यायाधीश ने जेल अधीक्षक को केजरीवाल के अधिकृत अधिवक्ता को जेल मैनुअल की एक प्रति उपलब्ध कराने की अनुमति देने का भी निर्देश दिया। बता दें कि अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 16 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

**नई दिल्ली।** आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अदालत ने जेल में इलेक्ट्रिक केतली, मेज, कुर्सी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे केजरीवाल की चिकित्सा स्थिति को देखते हुए उन्हें एक इलेक्ट्रिक केतली और पढ़ने के लिए किताबें, एक मेज और कुर्सी उपलब्ध कराए।

**नियम के अनुसार जेल देता चाय**

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी याचिका में कहा कि उन्हें पानी गर्म करने और चाय पीने के लिए एक इलेक्ट्रिक केतली की आवश्यकता है। हालांकि, जेल केवल जेल नियमों के अनुसार ही चाय उपलब्ध कराता है।

सीएम केजरीवाल के अधिवक्ता ने कहा कि जब न्यायाधीश ने एक अप्रैल को केजरीवाल को जेल भेज दिया था, तो उन्हें कुर्सी और मेज उपलब्ध कराने के लिए एक आवेदन दायर किया गया था, लेकिन कोई निर्देश जारी नहीं किया गया। न्यायाधीश ने जेल अधीक्षक को केजरीवाल के अधिकृत अधिवक्ता को जेल मैनुअल की एक प्रति उपलब्ध कराने की अनुमति देने का भी निर्देश दिया।

**तिहाड़ जेल में बंद हैं CM केजरीवाल**

बता दें कि सीएम अरविंद केजरीवाल 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। उनको 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी में तिहाड़ के एक बैरक में रखा गया है। जेल में उन्हें घर का खाना देने की अनुमति है। इसके लिए घर से दिन व रात का खाना लेकर आने वाले लोगों के नाम भी जेल प्रशासन को उपलब्ध कराए गए हैं।

जिन व्यक्तियों के नाम उपलब्ध कराए गए हैं, केवल वही मुख्यमंत्री के लिए खाना लेकर आ सकते हैं। खास बात है कि अरविंद केजरीवाल को तीसरी बार तिहाड़ जेल ले जाया गया है। इससे पहले, उन्हें अन्ना हजारे के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन के दौरान और 2014 में मानहानि के मामले में जेल ले जाया गया था।

# तिहाड़ से रिहा होकर संजय सिंह ने केजरीवाल के घर जाकर सुनीता केजरीवाल से की मुलाकात, फिर पहुंचे AAP मुख्यालय

परिवहन विशेष न्यूज

आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संजय सिंह छह महीने बाद बुधवार शाम क जेल से रिहा हो गए हैं। जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने तिहाड़ के बाह कार्यकर्ताओं को संबोधित किया इसके बाद वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पहुंचे जहां उन्होंने सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। फिर वो आम आदमी पार्टी के मुख्यालय पहुंच गए।

**नई दिल्ली।** आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संजय सिंह छह महीने बाद बुधवार शाम क जेल से रिहा हो गए हैं। जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने तिहाड़ के बाह कार्यकर्ताओं को संबोधित किया, इसके बाद वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पहुंचे, जहां उन्होंने सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। फिर वो आम आदमी पार्टी के मुख्यालय पहुंच गए।

जेल से निकलते ही उन्होंने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह संघर्ष का समय है। हमारी पार्टी के शीर्ष नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया व सत्येंद्र जैन को जेल की सलाखों के पीछे रखा गया है। हमें भरोसा है कि जेल के ताले टूटेंगे और हमारे नेता छूटेंगे। समर्थकों को उन्होंने कहा कि हम रुकेंगे नहीं संघर्ष करेंगे।

संजय सिंह पिछले वर्ष अक्टूबर महीने से बंद थे। इन दिनों वे दक्षिणी दिल्ली स्थित आइएलबीएस अस्पताल में दो अप्रैल से भर्ती थे। कोर्ट द्वारा रिहाई के आदेश के बाद वे बुधवार को ही दिन में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिली और वे जेल पहुंचे। लेकिन जेल पहुंचने के बाद भी उन्हें तत्काल रिहाई नहीं मिली। जेल अधिकारियों का कहना था कि कोर्ट से जब तक जमानत के आर्डर नहीं आते, उन्हें रिहा नहीं किया जा सकता है। शाम करीब सवा सात बजे जेल में उनकी जमानत के आर्डर मिलने के बाद रिहाई की प्रक्रिया शुरू हुई और करीब सवा आठ बजे वे जेल से बाहर निकले।

**सुबह से ही जमे थे समर्थक**

तिहाड़ जेल के गेट संख्या तीन के बाहर बुधवार सुबह से ही संजय सिंह के समर्थक पहुंचने शुरू हो गए। कार्यकर्ताओं को उनकी पहली झलक तब मिली जब वे अस्पताल से सीधे जेल पहुंचे। इसके बाद समर्थक तब तक डटे रहे, जब तक वे जेल से रिहा होकर नहीं निकल गए। कार्यकर्ता तब और खुश हुए जब उन्हें पता चला कि संजय सिंह के परिवार के लोग भी उन्हें लेने पहुंचे हैं। इनमें उनकी पत्नी व परिवार के अन्य सदस्य शामिल थे। वे जैसे ही बाहर निकले, समर्थकों ने उन्हें घेर लिया और उनके समर्थन में नारे लगाने शुरू कर दिए। कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ व उनके जोश को देखते हुए पुलिस को स्थिति नियंत्रण में लेने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। अंत में समर्थकों ने उन्हें एक कार पर खड़ा कर दिया। यहां से उन्होंने समर्थकों का अभिवादन शुरु करते हुए संघर्ष जारी रखने का आह्वान सभी से किया।

# सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आप का नया प्लान, 7 अप्रैल को जंतर-मंतर पर इकट्ठा होंगे पार्टी नेता

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। ईडी रिमांड खत्म होने के बाद अदालत ने उन्हें 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी ने नया एलान किया है। अब सात अप्रैल को गिरफ्तारी के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर आप नेता इकट्ठा होंगे।

**नई दिल्ली।** मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आप नेताओं ने अब नया ऐलान किया है। दिल्ली सरकार में मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने बुधवार को बताया कि आप नेता सात अप्रैल को दिल्ली के जंतर-मंतर पर उपवास धरने पर बैठेंगे।

**7 अप्रैल को सामूहिक उपवास**

अरविंद केजरीवाल सरकार में मंत्री गोपाल राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए देशव्यापी उपवास का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि अगर आप दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के खिलाफ हैं तो 7 अप्रैल को आप उपवास रख सकते हैं।

गोपाल राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगे कहा कि अपने घर, शहर या आप कहीं भी सामूहिक उपवास रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी को खत्म करने के उद्देश्य से शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार किया गया है।

**जंतर-मंतर पर इकट्ठा होंगे AAP नेता**

आप नेता गोपाल राय ने कहा कि 7 अप्रैल को दिल्ली सरकार के मंत्री, आप सांसद, विधायक, पार्षद और पदाधिकारी जंतर-मंतर पर उपवास करेंगे। यह एक खुला कार्यक्रम होगा और छात्र संगठन, किसान संगठन, व्यापारी इसमें आकर भाग ले सकते हैं।

बता दें कि दिल्ली के शराब घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। सीएम केजरीवाल को दिल्ली की कोर्ट ने 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। अरविंद केजरीवाल को ईडी ने शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था।

# 'आतिशी आप झूठ बोलकर भाग नहीं सकतीं..', भाजपा ने भेजा मानहानि का नोटिस; 15 दिन के अंदर देना होगा जवाब नहीं तो...

दिल्ली की मंत्री और आप नेता आतिशी अपने एक बयान को लेकर फंस गई है। मंगलवार को आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर उनके करीबी के माध्यम से भाजपा में शामिल नहीं होने पर गिरफ्तारी का आरोप लगाया था। इसी के बाद भाजपा ने आतिशी को उनके बयान के लिए माफी मांगने को कहा था। आतिशी ने ऐसा नहीं किया तो भाजपा ने उन्हें मानहानि का नोटिस भेजा है।

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मंत्री आतिशी अपने एक बयान के चलते मुश्किल में फंस गई हैं। उन्हें भाजपा ने मानहानि का नोटिस भेजा है। दरअसल उन्होंने भाजपा पर दिल्ली में ऑपरेशन लोटस चलाने का आरोप लगाया था।

इस नोटिस को लेकर दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मंगलवार को दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने भाजपा पर झूठे आरोप लगाए थे।

उन्होंने यह आरोप लगाया था कि उनके एक नजदीकी के माध्यम से उन्हें भाजपा में शामिल नहीं होने पर गिरफ्तारी की धमकी दी गई है। उन्होंने कहा था कि उनके साथ ही सौरभ भारद्वाज, राघव चड्ढा एवं दुर्गेश पाठक की गिरफ्तारी की जाएगी।

भाजपा ने उनसे इस आरोप के साक्ष्य देने को कहा था। उन्होंने कोई साक्ष्य नहीं दिया। इस तरह के झूठे आरोप से भाजपा व कार्यकर्ताओं की राजनीतिक सामाजिक छवि धूमिल होती है, इसलिए मंगलवार रात मानहानि का नोटिस आतिशी को देकर आरोप वापस लेकर सार्वजनिक माफी मांगने को कहा है।

नोटिस पार्टी के मीडिया प्रमुख एवं प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर की ओर से दिया गया है। आतिशी द्वारा तुरंत माफी ना मांगने पर पर भाजपा उनके विरुद्ध मानहानि का मुकदमा करेगी।

# अरविंद केजरीवाल से मिलने तिहाड़ जाएंगे CM भगवंत मान, अनुमति के लिए जेल प्रशासन को लिखी चिट्ठी

परिवहन विशेष न्यूज

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तिहाड़ जेल प्रशासन को चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी लिखकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने की अनुमति मांगी है। अरविंद केजरीवाल की ओर से जेल प्रशासन को फिलहाल पांच लोगों के नाम उपलब्ध कराए गए हैं जिनसे इनकी मुलाकात होनी है। इनमें पत्नी सुनीता केजरीवाल इनकी बेटी हर्षिता बेटा पुलकित व मित्र विभव शामिल हैं।

**नई दिल्ली।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तिहाड़ जेल प्रशासन को चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी लिखकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने की अनुमति मांगी है। बता दें कि सीएम अरविंद केजरीवाल 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

**तिहाड़ में बंद हैं CM केजरीवाल**

बुधवार को सूत्रों ने बताया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अरविंद केजरीवाल से मिलने के लिए तिहाड़ जेल प्रशासन से अनुमति मांगी है। पंजाब सीएम कार्यालय ने तिहाड़ जेल प्रशासन को पत्र लिखकर अनुमति मांगी है। खास बात है कि अरविंद केजरीवाल अभी शराब घोटाले मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

**मिलने के लिए 5 लोगों के दिए नाम**

तिहाड़ की जेल संख्या दो में बंद प्रदेश के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से जेल प्रशासन को फिलहाल पांच लोगों के नाम उपलब्ध कराए गए हैं, जिनसे इनकी मुलाकात होनी है। मुलाकातियों में जिनके नाम दिए गए हैं, उनमें मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल, इनकी बेटी हर्षिता, बेटा पुलकित व मित्र विभव शामिल हैं।

# दिल्ली हाई कोर्ट ने गूगल पर लगाया एक लाख रुपये का जुर्माना

हाईकोर्ट ने पेटेंट देने से इनकार के खिलाफ गूगल की अपील को खारिज करते हुए कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अदालत ने कहा कि गूगल की ओर से प्रस्तुत किए जाने के बावजूद आविष्कारशील कदम की कमी को देखते हुए गूगल का आवेदन खारिज कर दिया गया। गूगल की ओर से कहा गया कि विषय पेटेंट के संबंधित ईयू आवेदन को छोड़ दिया गया था

**नई दिल्ली।** दिल्ली हाई कोर्ट ने पेटेंट देने से इनकार के खिलाफ गूगल की अपील को खारिज करते हुए कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अदालत ने कहा कि गूगल ने न केवल अपील में गलत तथ्य पेश किए।

बल्कि अपने यूरोपियन (ईयू) पेटेंट आवेदन के इनकार के साथ-साथ इसके परिणामस्वरूप दायर किए गए डिविजनल आवेदन के बारे में जानकारी को बताने में भी विफल रहा। गूगल ने एकाधिक उपकरणों पर त्वरित संदेश सत्रों का प्रबंधन करना शीर्षक वाले पेटेंट के अनुदान के लिए अपने आवेदन की अस्वीकृति के खिलाफ अपील दायर की थी।

पेटेंट और डिजाइन के सहायक नियंत्रक द्वारा आवेदन को अस्वीकार कर दिया गया था। अदालत ने कहा कि गूगल की ओर से प्रस्तुत किए जाने के बावजूद, आविष्कारशील कदम की कमी को देखते हुए गूगल का आवेदन खारिज कर दिया गया।

गूगल की ओर से कहा गया कि विषय पेटेंट के संबंधित ईयू आवेदन को छोड़ दिया गया था और ईपीओ द्वारा खारिज नहीं किया गया था। वहीं, पेटेंट नियंत्रक की ओर से पेश अधिवक्ता ने तर्क दिया कि संबंधित विषय पेटेंट आवेदन को छोड़ा नहीं गया था, बल्कि ईपीओ द्वारा खारिज कर दिया गया था।

# दिल्ली की इस सीट का रोचक है इतिहास, पूर्व पीएम को मिली थी सियासी शिकस्त; अकेले बीजेपी ने दर्ज की जीत

परिवहन विशेष न्यूज

दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट राजधानी की सबसे महत्वपूर्ण सीट मानी जाती है। इस सीट से जीतकर कई दिग्गज दिल्ली के मुख्यमंत्री बने तो यहां आकर पूर्व प्रधानमंत्री को हार भी मिली। इस सीट पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को शिकस्त मिल चुकी है। उन्होंने इस सीट से वर्ष 1999 के लोकसभा चुनाव लड़ा था। तब उन्हें भाजपा के प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा ने 30 हजार मतों से हराया था।

**दक्षिणी दिल्ली।** दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट राजधानी की सबसे महत्वपूर्ण सीट मानी जाती है। इस सीट से जीतकर कई दिग्गज दिल्ली के मुख्यमंत्री बने, तो यहां आकर पूर्व प्रधानमंत्री को हार भी मिली।

इस सीट पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को शिकस्त मिल चुकी है। उन्होंने इस सीट से वर्ष 1999 के लोकसभा चुनाव लड़ा था। तब उन्हें भाजपा के प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा ने 30 हजार मतों से हराया था।

वर्ष 1999 के लोकसभा चुनाव में विजय कुमार मल्होत्रा को 2,61,230 मत मिले थे, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. मनमोहन सिंह को 2,31,231 मत ही मिल सके थे।

तीसरे स्थान पर रहे निर्दलीय उम्मीदवार मोहम्मद शरीफ को महज 2,846 मत प्राप्त हुए थे। विजय कुमार मल्होत्रा का मत प्रतिशत 21.51, मनमोहन सिंह का 19.04 और मोहम्मद शरीफ का 0.23 रहा था।

उस समय दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से 12 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे। इनमें से आठ निर्दलीय प्रत्याशी थे, इनमें मोहम्मद शरीफ, वेद प्रकाश, दिनेश जैन, घनश्याम दास, जनिस दरबारी, जोगिंदर सिंह, अशोक कुमार और खैराती लाल शामिल थे।

**दक्षिणी दिल्ली लोकसभा में ये हैं 10 विधानसभा सीट**

दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में 10 विधानसभा क्षेत्र हैं। इनमें बिजवासन, पालम, महरौली, छतरपुर, देवली, अंबेडकर नगर, संगम विहार, कालका जी, तुगलकाबाद और बदरपुर विधानसभा सीटें आती हैं।

इन 10 में से सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र बदरपुर भाजपा के पास है, बाकी नौ विधानसभा सीटों पर आम आदमी पार्टी के विधायक हैं।

**इस लोस सीट से नौ बार जीत का स्वाद चख चुकी है भाजपा**

दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट पर पहला चुनाव वर्ष 1967 में हुआ था। तब से अभी तक कुल 15 लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। इनमें से नौ बार भाजपा ने जीत का स्वाद चखा है। जबकि पांच बार कांग्रेस और एक बार जनता पार्टी को जीत मिली है।

**2014 से भाजपा का कब्जा**

दक्षिणी दिल्ली सीट पर वर्ष 2014 से भाजपा का कब्जा है। यहां से रमेश बिधूड़ी वर्ष 2014 और 2019 से यहां से दो बार सांसद रहे हैं। इस बार भाजपा और आप ने प्रत्याशी बदल दिए हैं। भाजपा ने विधायक रामवीर सिंह बिधूड़ी और आप-कांग्रेस गठबंधन ने विधायक सहीराम पहलवान पर दांव खेला है।

## गौतमबुद्ध नगर में 26 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश, बंद रहेंगी जिले की सभी फैक्ट्री व बाजार

गौतमबुद्धनगर में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान के दिन यानी 26 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इस दौरान जिले की सभी कंपनी फैक्ट्री दुकान बाजार बंद रहेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने का नियम है। इसी के चलते जिले की सभी दुकानें और फैक्ट्री को बंद रखने का फैसला लिया गया है।

**नोएडा।** गौतमबुद्धनगर में आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान के दिन यानी 26 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। मतदान के दिन जिले की सभी कंपनी, फैक्ट्री, दुकान, बाजार बंद रहेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा का कहना है कि निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने का नियम है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 में किसी भी व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक प्रतिष्ठान और ऐसे अन्य प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों को मताधिकार का प्रयोग किये जाने के उद्देश्य से मतदान दिवस को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का प्रविधान है। कारखानों में कार्यरत समस्त कर्मचारियों को मतदान के लिए उपयुक्त अवसर प्रदान किया जाएगा। इसलिए सभी कारखानों में 26 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाएगा। उनसे अगले साप्ताहिक अवकाश के दिन कार्य नहीं लिया जाएगा। वहीं उत्तर प्रदेश दुकान एवं वाणिज्यिक अधिष्ठान अधिनियम-1962 की धारा के तहत दुकानों एवं वाणिज्यिक अधिष्ठान में मतदान दिवस को साप्ताहिक बंदी दिवस के रूप मनाया जाएगा।

# चुनाव की घोषणा के बाद काफी कुछ खो चुके हैं अखिलेश यादव

दरअसल जब से अखिलेश यादव के हाथों में समाजवादी पार्टी की कमान आई है, तब से सपा लगातार चुनाव हार रही है। 2014, 2017, 2019, 2022 के साथ ही नगर निगम चुनाव में भी सपा अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाई है। आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीट पर सपा उपचुनाव हार गई।

**लखनऊ।** राजनीति में एक पुरानी कहावत है कि कोई गठबंधन या नेता किसी का स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है। कल तक जो नेता सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ मिलकर मोदी-योगी के खिलाफ पानी पी-पीकर जहर उगल रहे थे, आज वो मोदी-योगी सरकार में शामिल हो चुके हैं। माना जा रहा है कि इसके पीछे काफी हद तक सपा मुखिया अखिलेश यादव जिम्मेदार रहे हैं।

अब जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की तारीखें पास आ रही है, वैसे-वैसे एक के बाद एक सहयोगी दलों के नेता समाजवादी पार्टी का साथ छोड़कर जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब अपना दल कमेरावादी पार्टी का नाम भी शामिल हो सकता है। दोनों दलों के बीच नाराजगी के चलते दूरियां भी बढ़ने लगी है। वहीं भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद के साथ भी खेला हो गया है, जिसके बाद से सियासी गलियारों का पारा भी बढ़ गया है। चर्चाओं का दौर जारी है। चर्चा ये भी है कि अपना दल कमेरावादी पार्टी सपा से अलग हो गया है, बस औपचारिक घोषणा होना बाकी है। अखिलेश से दूर गठबंधन के सहयोगी तो जा ही रहे हैं पार्टी के कई नेताओं ने भी समाजवादी पार्टी छोड़ दी है और अभी भी यह सिलसिला जारी है। चुनाव की घोषणा होने के समय जो अखिलेश काफी मजबूत स्थिति में दिख रहे थे अब उनकी स्थिति काफी कमजोर हो गई है। कई मौकों पर तो वह स्वयं भी अपने आप को असहाय बताते नजर आ जाते हैं। दरअसल जब से अखिलेश यादव के हाथों में समाजवादी पार्टी की कमान आई है, तब से सपा लगातार चुनाव हार रही है। 2014, 2017, 2019, 2022 के साथ ही नगर निगम चुनाव में भी सपा अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाई है। आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीट पर सपा उपचुनाव हार गई। हालांकि मैनपुरी लोकसभा और घोसी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के रिजल्ट जरूर अखिलेश के पक्ष में रह चुके हैं।

इसी तरह चुनाव दर चुनाव में अखिलेश ने अन्य दलों के साथ गठबंधन किया लेकिन चुनाव बाद उस गठबंधन की गांठे खुलती गई। 2017 में कांग्रेस, 2019 में बसपा और 2022 में सुभासपा और जयन्त के साथ किए गए गठबंधन का हश्र एक ही हुआ। चुनाव से पहले गठबंधन हुआ और चुनाव बाद रास्ते अलग हो गए। हालांकि 2024 चुनाव के चलते राहुल और अखिलेश फिर से साथ आ गए हैं। अब इस लिस्ट में कई और भी नाम जुड़ने की ओर अग्रसर हैं।

हालात यही रहे तो सपा मुखिया अखिलेश यादव को अपना दल कमेरावादी और एएसपी चीफ चंद्रशेखर आजाद से भी हाथ धोना पड़ जाएगा। इन दोनों दलों के नेताओं से बढ़ी दूरी का कारण भी अखिलेश यादव बताए जा रहे हैं। अपना दल क. की नेता पल्लवी पटेल सपा से विधायक हैं। उन्होंने 2022 विधान सभा चुनाव में सिराथू सीट पर केशव प्रसाद मौर्य को हराकर जीत दर्ज की थी। तब से पल्लवी और अखिलेश के राजनीतिक रिश्ते बढ़ गए थे। पल्लवी को उम्मीद थी कि सपा अपना दल क. अध्यक्ष कृष्णा पटेल को MLC या राज्यसभा के लिए भेजेगा। हालांकि विधान परिषद चुनाव और राज्यसभा चुनाव हो गए, लेकिन सपा ने कृष्णा पटेल के नाम पर सपा ने विचार भी नहीं किया, जिसके बाद पल्लवी की पार्टी ने भी अखिलेश से दूरी बना ली है।

## ठगों को बैंक खाता बेचने में दो आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार, फर्जी तरीके से बैंकों में खुलवाए 38 खाते

**जांच में पता चला कि आरोपी आशुतोष ने फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनवाकर राजस्थान में ही विभिन्न बैंकों में अपने नाम के 38 बैंक खाते खुलवाए। आशुतोष फर्जी तरीके से बैंक खाते खुलवाकर अपने एक अन्य साथी मोहित को दे देता था। मोहित आगे साइबर ठगों को उन खातों को बेच देता था। ठगी गई राशि में से दोनों आरोपियों को कमीशन मिलता था।**

**गुरुग्राम।** साइबर ठगों को बैंक खाता बेचने के मामले में मानेसर साइबर पुलिस ने राजस्थान के नागौर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान नागौर निवासी आशुतोष उर्फ रोहित और मोहित के रूप में की गई है। पूछताछ में पता चला कि आशुतोष ने फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनवाकर राजस्थान में ही विभिन्न बैंकों में अपने नाम के 38 बैंक खाते खुलवाए और ठगों को बेच दिए।

**डरा-धमकाकर ठग लिए 20 लाख रुपये**

डीसीपी साइबर क्राइम सिद्धांत जैन ने बताया कि 23 मार्च को एक महिला ने मानेसर साइबर थाने में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने कहा था कि साइबर ठगों ने अपने को मुंबई पुलिस से बताया और कहा कि उनके नाम से कूरियर है और उसमें गैर-कानूनी सामान है। इसके बाद सिक्योरिटी और डरा-धमकाकर 20 लाख रुपये ठग लिए। मानेसर साइबर पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद कार्रवाई करते हुए राजस्थान से आशुतोष और मोहित को पकड़ लिया।

**खाते से मिली 1 करोड़ के लेनदेन की जानकारी**

पुलिस पूछताछ में आरोपियोंं से पता चला कि महिला से ठगी गई राशि आरोपी आशुतोष के बैंक खाते में ट्रांसफर की गई थी। यह बैंक खाता आरोपी ने फर्जी आधार कार्ड पर खुलवाया था। आशुतोष फर्जी तरीके से बैंक खाते खुलवाकर अपने एक अन्य साथी मोहित को दे देता था। मोहित आगे साइबर ठगों को उन खातों को बेच देता था। ठगी गई राशि में से दोनों आरोपियों को कमीशन मिलता था।

आशुतोष के एक बैंक खाते में एक करोड़ से भी ज्यादा की लेनदेन की जानकारी मिली है। वहीं उसके पास से 38 एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि उसने अपने नाम से 38 से भी ज्यादा विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाए थे।

**पहले ट्रेवेल एजेंट था आशुतोष**

पूछताछ में पता चला कि आशुतोष पहले ट्रैवल एजेंट का काम करता था। कोरोना के दौरान उसने ट्रैवल एजेंसी बंद कर दी थी और इस अवैध धंधे में लग गया था। इसने अपने दो अलग-अलग नामों से फर्जी आधार कार्ड बनवाए थे। उसके माध्यम से ही यह बैंक खाता खुलवाता था।

एक आधार कार्ड पर आशुतोष और एक पर रोहित नाम लिखा था। वहीं सात महीने पहले मोहित इस काम में आशुतोष के साथ आया था। आरोपी के पास से 30 चेकबुक व पासबुक, आठ मोबाइल फोन, आठ सिम कार्ड, एक पासपोर्ट, एक फर्जी आधार कार्ड व पैन कार्ड बरामद किया गया है।

आगामी पूछताछ के लिए दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया जाएगा। आरोपियों से अन्य वारदात व ठगों के बारे में गहनता से पूछताछ की जाएगी। सिद्धांत जैन, साइबर क्राइम डीसीपी

26 फरवरी को मानेसर साइबर पुलिस ने कोटक महिंद्रा बैंक की एमजी रोड शाखा के कारपोरेट कार्यालय में काम करने वाले असिस्टेंट मैनेजर मोहित राठी, दो डिप्टी मैनेजर महेश और विश्वकर्मा मौर्या को गिरफ्तार किया था। यह तीनों मेवात के साइबर ठगों को बैंक खाता उपलब्ध कराते थे।

2 मार्च को साइबर थाना ईस्ट पुलिस ने यस बैंक की दिल्ली की लाजपत नगर ब्रांच में तैनात मैनेजर मो. मुकिम, छतरपुर ब्रांच में तैनात डिप्टी सेल्स मैनेजर अनकेश व सेल्स आफिसर रोशन को गिरफ्तार किया था।

11 मार्च को साइबर थाना ईस्ट पुलिस ने यस बैंक की राहिणी शाखा में काम करने वाले दो एग्जीक्यूटिव दीपक और धर्मेंद्र को पकड़ा था। धर्मेंद्र ने दिल्ली के प्रकाश नाम के व्यक्ति का बैंक खाता खोला था। प्रकाश को भी साइबर पुलिस ने पकड़ा था। इसने यस बैंक के कर्मियों के साथ मिलकर साइबर ठगों को खाता बेचा था।

## 'जनता मोये-मोये कर देगी', राजनाथ सिंह का अलग अंदाज! रक्षा मंत्री ने क्यों कही ये बात ?

भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग के समर्थन में प्रचार करने गाजियाबाद आए राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर जमकर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा से लड़ने और उसे हराने के लिए कई विपक्षी दल एक साथ आए। एनडीए का मुकाबला करने के लिए विपक्षी गुट चुनाव में संघर्ष करेगा। इस देश की जनता इनका भी मोये मोये कर देगी।

परिवहन विशेष न्यूज

**गाजियाबाद।** लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए गाजियाबाद पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर जमकर कटाक्ष किया है। राजनाथ सिंह ने बुधवार को लोकसभा चुनाव में गठबंधन बीजेपी का सामना नहीं कर सकता है, क्योंकि देश की जनता मोये मोये कर देगी।

**NDA का सामना नहीं कर सकते- राजनाथ**

भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग के समर्थन में प्रचार करने आए राजनाथ सिंह ने कहा कि विपक्षी गुट लोकसभा चुनावों में एनडीए का मुकाबला करने के लिए संघर्ष करेगा। भाजपा से लड़ने और उसे हराने के लिए कई विपक्षी दल एक साथ आए। हालांकि, वे एनडीए का सामना भी नहीं कर सकते हैं। इस देश की जनता इनका भी मोये मोये कर देगी।

राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि जब अपने लोकसभा चुनाव के सफर की शुरुआत कर रहे थे, तब 2009 में भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए सबसे पहले लोकसभा चुनाव गाजियाबाद से ही लड़ा था। उस वक्त भाजपा के पक्ष में देख में माहौल नहीं था, लोगों ने कहा कि यहां से चुनाव न लड़ें लेकिन मैंने यहीं से चुनाव लड़ने का ठाना और गाजियाबाद की जनता ने मुझे लोकसभा चुनाव में जीत दिलाई।

**गाजियाबाद को लेकर कही ये बात**

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि गाजियाबाद के लोगों ने जब भी समय मांगा मैंने उनको दिया है। मैं गाजियाबाद का एहसान कभी नहीं भूलूंगा। जब तक राजनीति में रहूंगा, तब तक गाजियाबाद का था, हूं और रहूंगा। उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव के प्रचार की शुरुआत मेरठ से की गई थी, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में मेरठ की भूमिका अहम रही।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि गाजियाबाद के लोगों ने जब भी समय मांगा मैंने उनको दिया है। मैं गाजियाबाद का एहसान कभी नहीं भूलूंगा। जब तक राजनीति में रहूंगा, तब तक गाजियाबाद का था, हूं और रहूंगा। उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव के प्रचार की शुरुआत मेरठ से की गई थी, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में मेरठ की भूमिका अहम रही। यही वजह है कि मैंने तय किया कि अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत गाजियाबाद से करूंगा।

**गाजियाबाद मेरा परिवार है- राजनाथ सिंह**

जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि 2009 में मुझे सांसद बनाने के बाद गाजियाबाद की जनता ने 2014 और 2019 के चुनाव में जनरल वीके सिंह को अपना प्यार और आशीर्वाद देकर सांसद बनाया। अब पार्टी ने अतुल गर्ग को प्रत्याशी बनाने का निर्णय लिया है, अतुल गर्ग को विरासत से बहुत कुछ मिला है। उनके पिता दिनेश चंद गर्ग गाजियाबाद के पहले महापौर रह चुके हैं। 2009 से जीत का सिलसिला जो जारी है वह जारी रहना चाहिए। गाजियाबाद मेरा परिवार है, अतुल गर्ग के सांसद बनने के बाद परिवार का आभार व्यक्त करने आऊंगा।

# यूपी में पहले चरण की 8 सीटों पर 80 प्रत्याशी

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की जिन 8 सीटों पर प्रथम चरण में वोटिंग होगी। इसमें रामपुर, सहारनपुर, पीलीभीत, नगीना, बिजनौर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर और कैराना लोकसभा सीट शामिल है। इन 8 लोकसभा सभा चुनाव में पीलीभीत की सीट सबसे हॉट सीट बन गई है।

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों के लिए हो रहे पहले चरण के चुनाव की तस्वीर साफ हो गईं है। नामांकन के आखिरी दिन चार उमीदवारों ने नाम वापस ले लिया. अब 80 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं। चार प्रत्याशियों ने नाम वापस लिया जिसमें सहारनपुर से दो, कैराना व मुरादाबाद से एक-एक प्रत्याशी शामिल हैं। कैराना में सबसे अधिक 14 व सबसे कम छह-छह प्रत्याशी नगीना व रामपुर लोकसभा सीट में बचे हैं। मालूम हो कि पहले चरण के चुनाव में 30 मार्च को नाम वापसी का अंतिम दिन था। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होगा।

यूपी की जिन 8 सीटों पर प्रथम चरण में वोटिंग होगी। इसमें रामपुर, सहारनपुर, पीलीभीत, नगीना, बिजनौर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर और कैराना लोकसभा सीट शामिल है। इन 8 लोकसभा सभा चुनाव में पीलीभीत की सीट सबसे हॉट सीट बन गई है, क्योंकि वरुण गांधी का पत्ता बीजेपी ने साफ कर दिया है और कुछ साल पहले कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। लेकिन बात अगर राजनीति की करें तो यह क्षेत्र मेनका और वरुण गांधी के लोकसभा क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है, लेकिन इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने वरुण गांधी का टिकट काटकर यहां से जितिन प्रसाद को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। समाजवादी पार्टी ने भी यहां से कुर्मी बिरादरी पर दांव लगाया है, सपा ने भगवत शरण गंगवार को अपना प्रत्याशी बनाया है।

दूसरी सीट बिजनौर की है। बिजनौर से एनडीए के उम्मीदवार के तौर पर आरएलडी के प्रत्याशी चंदन चौहान हैं, जबकि समाजवादी पार्टी ने दीपक सैनी को अपना उम्मीदवार बनाया है। बसपा ने यहां जाट प्रत्याशी चौधरी वीरेंद्र सिंह को दिया है। बीजेपी ने गुर्जर बसपा ने जाट और समाजवादी पार्टी ने ओबीसी प्रत्याशी उतारे हैं। आरएलडी को इस गठबंधन में दी गई दो सीटों में एक सीट बिजनौर की है। बिजनौर लोकसभा के इतिहास की बात करें तो राम मंदिर आंदोलन के बाद से यानी 1991 से अब तक भारतीय जनता पार्टी चार बार इस सीट पर अपना कब्जा जमा चुकी है। जबकि इस बीच में समाजवादी पार्टी दो बार रालोद एक बार इस सीट का प्रतिनिधित्व कर चुका है और वर्तमान में इस सीट पर बसपा का कब्जा है. जिसके सांसद मलूक नागर हैं।

तीसरी सीट नगीना इसलिए खास है क्योंकि चंद्रशेखर आज़ाद रावण यहां से अपनी सियासी जमीन की तलाश कर रहे हैं। वो पहली बार चुनाव मैदान में हैं। बीजेपी ने ओम कुमार तो सपा ने मनोज कुमार को अपना प्रत्याशी बनाया है, वहीं बसपा ने सुरेंद्र सिंह मेनवाल को अपना प्रत्याशी बनाया है. नगीना लोकसभा सीट सुरक्षित सीट है। हालांकि यह सीट सुरक्षित सीट है, लेकिन इस सीट पर मुसलमानों की संख्या सबसे ज्यादा है। करीब साढ़े 7 लाख वोटर इसमें मुसलमान है. दलित वोटर की संख्या लगभग साढे चार लाख के आसपास है. 2009 में यह सीट अस्तित्व में आई और इस पर पहली बार लोकसभा चुनाव हुआ। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी के यशवीर सिंह पहली बार विजय हुए थे। उसके बाद 2014 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के सांसद यशवंत सिंह ने सपा प्रत्याशी को हराकर इस सीट पर अपना कब्जा जमाया था। जबकि 2019 के चुनाव में सपा और बसपा के गठबंधन के चलते बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी गिरीश चंद्र इस सीट पर विजय रहे जो वर्तमान में इस सीट का प्रतिनिधित्व

कर रहे हैं।

कैराना: ये इलाका हिन्दू और मुसलमान गुजर बहुल माना जाता है, सपा ने इकरा हसन को अपना उम्मीदवार बनाया है, तो बीजेपी ने प्रदीप चौधरी को। दोनों गुजर हैं, लेकिन अब यहां की सियासत में बिरादरी से बड़ा धर्म का झोल है। चौथी सीट कैराना लोकसभा में पांच विधानसभा मौजूद है। जिसमें कैराना, शामली, थाना भवन नुकुड और गंगोह विधानसभा सीट है। कैराना लोकसभा में जातीय समीकरण की बात करें तो यहाँ पर सबसे ज्यादा मुस्लिम मतदाता हैं। जिनकी संख्या करीब 5:45 लाख के आसपास है। 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो उस दौरान यहां पर भाजपा कैंडिडेट ने करीब 75000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की थी।

पांचवी सीट सहारनपुर से समाजवादी पार्टी ने इमरान मसूद को तो बीजेपी ने राघव लखन पाल को मैदान में उतारा है। सहारनपुर लोकसभा सीट कई मायनों में सभी राजनीतिक दलों के लिए अहम मानी जाती है। सहारनपुर सीट पर सबसे पहला लोकसभा चुनाव 1952 में हुआ था और तभी से यह सीट कांग्रेस का गढ़ बन गयी। 1952 से लेकर 1977 तक इस सीट पर कांग्रेस का कब्जा रहा था। 1977 में इमरजेंसी के बाद हुए चुनाव से लेकर 1996 तक इस सीट पर जनता दल या जनता पार्टी का कब्जा रहा। दो बार की हार के बाद 1984 के चुनाव में कांग्रेस ने एक बार फिर यंहा पर बाज़ी मारी थी। 1996 के बाद सहारनपुर सीट दो बार भारतीय जनता पार्टी, दो बार बहुजन समाज पार्टी, एक बार समाजवादी पार्टी और फिर 2014 में मोदी लहर के चलते 16 साल बाद यह सीट भारतीय जनता पार्टी के खाते में गई थी। इससे पहले भाजपा 1998 में इस सीट से चुनाव जीती थी। लेकिन 2019 के चुनाव में इस सीट पर एक बार फिर बसपा ने कब्जा कर लिया। 2019 में सहारनपुर लोकसभा सीट से महागठबंधन से प्रत्याशी बने बसपा के हाजी फजलुर्रहमान ने 514139 वोट पाकर जीत दर्ज की। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राघव लखनपाल को 22,417 वोटों से हरा कर इस सीट पर अपना परचम लहराया और इस सीट से लोकसभा सांसद बने। इस लोकसभा सीट पर दलित और मुस्लिम वोट निर्णायक रहते हैं, जो इसे राजनीतिक दलों के लिए अहम बनाता है।

छठी सीट मुरादाबाद पर आज़म खान की जिद्द ने अखिलेश को मुरादाबाद में अपना प्रत्याशी बदलने पर मजबूर कर दिया है, एसटी हसन की जगह सपा ने अब रुचिवीरा को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि बीजेपी ने फिर कुंवर सर्वेश सिंह पर अपना दाँव लगाया है। मुरादाबाद उत्तर प्रदेश की एक महत्वपूर्ण लोकसभा है। पीतल हस्तशिल्प उद्योग के कारण पीतल-नगरी के नाम से मशहूर मुरादाबाद लोकसभा की बात करें तो उसमे कुल 5 विधानसभा आती हैं। मौजूदा सांसद डॉ एसटी हसन समाजवादी पार्टी से मुरादाबाद लोकसभा के सांसद हैं, हालांकि मुरादाबाद का इतिहास रहा है कि यहां हर लोकसभा चुनावों में अलग पार्टी का सांसद बनता है जैसे 2019 में सपा सांसद, 2014 में भाजपा से सांसद कुंवर सर्वेश सिंह, 2009 में कांग्रेस से क्रिकेटर मोहम्मद अजरूद्दीन सांसद रह चुके है।

सातवीं सीट मुजफ्फरनगर से बीजेपी ने अपने जाट चेहरे संजीव बालियान को तीसरी बार मैदान में उतारा है तो सपा ने कांग्रेस से आये जाट नेता चौधरी हरेंद्र सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। बात उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट की करें तो यह सीट 2013 दंगे के बाद से उत्तर प्रदेश की मुख्य सीटों में गिनी जाती है। क्योंकि 2013 दंगे के बाद 2014 में जो लोकसभा के चुनाव हुए थे उसमें भारतीय जनता पार्टी ने सभी पार्टियों का एक तरफ सुपड़ा साफ कर दिया था। 2014 के इस चुनाव में मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट पर भाजपा ने डॉक्टर संजीव बालियान को अपना प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा था। बीजेपी की इस आंधी में संजीव बालियान को इस चुनाव में 653391 वोट मिले थे। जबकि दूसरे नम्बर पर रहे बसपा के प्रत्याशी कादिर राणा मात्र 252241 वोट ही मिल पाए थे। जिसके चलते भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर संजीव बालियान ने इस चुनाव में बसपा प्रत्याशी कादिर राणा को 401150 रिकॉर्ड मतों से मात दी थी। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी ने एक बार फिर से डॉक्टर संजीव बालियान पर अपना दांव लगाया था। इस बार संजीव बालियान के सामने राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे स्वर्गीय अजीत सिंह थे। इस चुनाव में भी संजीव बालियान ने जीत हासिल करते हुए अजीत सिंह को 6526 वोट से हराकर यह चुनाव जीता था। इस चुनाव में डॉक्टर संजीव बालियान को 573780 वोट मिले थे जबकि अजीत सिंह को 567254 वोट मिल पाए थे। मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट पर अगर जातिगत आंकड़ों की बात करें तो इसी सीट पर 2019 चुनाव के अनुमानित आकड़ो के मुताबिक लगभग 17 लाख के आसपास मतदाता है। जिसमें लगभग 5 लाख मुस्लिम, 2 लाख दलित, डेढ़ लाख जाट, 130000 कश्यप, 120000 सैनी, 115000 वैश्य और लगभग 480000 ठाकुर, गुर्जर, त्यागी, ब्राह्मण, पाल, प्रजापत, सुनार और अन्य बिरादरियाँ है।

और आठवीं सीट रामपुर की बात की जाए तो कभी चाकू-छूरियों के लिए मशहूर रामपुर पर 1949 तक कुल 10 नवाबों में शासन किया है। देश की आजादी के बाद 1952 में हुए आम चुनाव में देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद यहीं से चुनकर संसद तक पहुंचे थे। यहां पर नवाब खानदान के अलावा भाजपा कि मुस्लिम चेहरे मुख्तार अब्बास नकवी अभिनेत्री जयाप्रदा और सपा के फायर ब्रांड नेता आज़म खान जीत हासिल कर चुके हैं। चुनावी आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो 1952 से 2019 तक के चुनाव में यहां पर काफी उलट फेर देखने को मिले हैं। यहां से 10 बार कांग्रेस, चार बार भाजपा, तीन बार सपा और एक बार भारतीय लोकदल से निर्वाचित हुए सांसद लोकतंत्र के मंदिर यानी संसद में रामपुर का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। मुस्लिम बाहुल्य इस सीट पर राजनीतिक एतबार से धर्म और जाति कोई खास मायने नहीं रखती है। यही कारण है कि यहां के मतदाता दूसरे धर्म या जाति वाले प्रत्याशी को चुनने में किसी तरह का कोई गुरेज नहीं करते हैं। रामपुर लोकसभा की राजनीतिक पृष्ठभूमि के एतवार से इंडिया गठबंधन के सबसे बड़े दल के रूप में कांग्रेस की फेहरिस्त में यहां की सीट भी है। जबकि सपा भी यहां पर मजबूत दावा पेश करती देखी जा सकती है। वहीं दूसरी ओर भाजपा के दिग्गजों ने भी विरोधियों को कई मौके पर चुनावी रण में धूल चढ़ाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी है।

# फैक्ट्री के लिए जमीन तलाशने भारत आएगी टेस्ला की टीम, इन राज्यों को मिलेगी प्राथमिकता

**कंपनी ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग धीमी हो रही है और अमेरिका और चीन जैसे बड़े बाजारों में कंपनी को अत्यधिक प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। मांग में कमी के चलते पहली तिमाही में कंपनी की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी द्वारा भेजी जाने वाली टीम उन राज्यों को प्राथमिकता देगी जहां पर ऑटोमोटिव हब पहले से हैं।**

परिवहन विशेष न्यूज

भारत ने पिछले महीने ऐसी इलेक्ट्रिक कारों पर आयात कर कम कर दिया था जो कम से कम देश में 50 करोड़ डालर का निवेश करें और तीन साल के अंदर घरेलू मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्रतिबद्ध हों। टेस्ला के कर्ताधर्ता एलन मस्क वर्षों से भारतीय बाजार में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन सरकार उनसे स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्रतिबद्धता चाहती है।

**नई दिल्ली।** अमेरिका की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला भारत में अपने संयंत्र के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश करने के लिए इस महीने के आखिरी में भारत एक टीम भेजेगी। कंपनी ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग धीमी हो रही है और अमेरिका और चीन जैसे बड़े बाजारों में कंपनी को अत्यधिक प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। मांग में कमी के चलते पहली तिमाही में कंपनी की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है।

फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी द्वारा भेजी जाने वाली टीम उन राज्यों को प्राथमिकता देगी जहां पर ऑटोमोटिव हब पहले से हैं। ऐसे प्रदेशों में महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु प्रमुख हैं। इस संयंत्र पर दो से तीन अरब डालर का निवेश किए जाने की संभावना है। हालांकि जब इस संबंध में टेस्ला से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उसने कोई भी जवाब नहीं दिया।

भारत ने पिछले महीने ऐसी इलेक्ट्रिक कारों पर आयात कर कम कर दिया था, जो कम से कम देश में 50 करोड़ डॉलर का निवेश करें और तीन साल के अंदर घरेलू मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्रतिबद्ध हों। टेस्ला के कर्ताधर्ता एलन मस्क वर्षों से भारतीय बाजार में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनसे स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्रतिबद्धता चाहती है।

पिछले साल जून में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर गए थे तो उनसे मस्क ने मुलाकात भी की थी। कंपनी ने पिछले साल जुलाई में कहा था कि वह 24,000 डॉलर की कीमत वाली ईवी का उत्पादन करने के लिए भारत में एक कारखाना बनाने में रुचि रखती है।

# Maruti Suzuki अपनी ऑफरोड एसयूवी Jimny पर दे रही 1.5 लाख का डिस्काउंट, Fronx भी 68 हजार की छूट पर उपलब्ध

**Maruti Suzuki Jimny के टॉप-स्पेक अल्फा ट्रिम पर 1.50 लाख रुपये की नकद छूट दी जा रही है। Grand Vitara हाइब्रिड को 79 हजार रुपये तक के डिस्काउंट के साथ खरीदा जा सकता है। मारुति सुजुकी की ओर से Fronx के टर्बो-पेट्रोल वेरिएंट पर 68 हजार रुपये तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। आइए सभी कारों पर उपलब्ध छूट के बारे में जान लेते हैं।**

**नई दिल्ली।** देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी Maruti Suzuki इस महीने अपने पूरे Nexa लाइन-अप पर आकर्षक डिस्काउंट पेश कर रही है। इसमें ग्रैंड विटारा, बलेनो और फ्रोंक्स जैसे लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। कंपनी की ओर से इन गाड़ियों पर कैश डिस्काउंट और एक्सचेंज ऑफर के साथ-साथ कॉर्पोरेट डिस्काउंट दिया जा रहा है। आइए, उपलब्ध छूट के बारे में जान लेते हैं।

**Maruti Suzuki Jimny**

Maruti Suzuki Jimny के टॉप-स्पेक अल्फा ट्रिम पर 1.50 लाख रुपये की नकद छूट दी जा रही है, जबकि नए MY2024 मॉडल में एंट्री-लेवल जेटा ट्रिम पर 50 हजार रुपये की नकद छूट मिलती है।

**Maruti Suzuki Grand Vitara**

ग्रैंड विटारा हाइब्रिड को 79 हजार रुपये तक के डिस्काउंट के साथ खरीदा जा सकता है। इसमें 25 हजार रुपये की नकद छूट, 50 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस और 4 हजार रुपये तक का कॉर्पोरेट ऑफर शामिल है। वहीं, ग्रैंड विटारा के नियमित पेट्रोल वेरिएंट पर 59 हजार रुपये तक की छूट ऑफर की जा रही है।

**Maruti Suzuki Fronx**

मारुति सुजुकी की ओर से Fronx के टर्बो-पेट्रोल वेरिएंट पर 68 हजार रुपये तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसमें 15 हजार रुपये की नकद छूट, 30 हजार रुपये की वेलोसिटी एडिशन एक्सेसरी किट, 10 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस और 13 हजार रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट शामिल है। इसके नियमित पेट्रोल और सीएनजी वेरिएंट पर क्रमशः 20 हजार रुपये और 10 हजार रुपये का डिस्काउंट दिया जा रहा है।

**Maruti Suzuki Ignis**

इग्निस के मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों वेरिएंट 58,000 रुपये तक के लाभ के साथ उपलब्ध हैं। इसमें 40 हजार रुपये की नकद छूट, 15 हजार रुपये का एक्सचेंज लाभ और 3 हजार रुपये का कॉर्पोरेट बोनस शामिल है।

**Maruti Suzuki Baleno**

Maruti Suzuki Baleno, कंपनी के नेक्सा ब्रांड के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और ये पेट्रोल और सीएनजी दोनों पावरट्रेन के साथ उपलब्ध है।

# डिजाइन और स्पेसिफिकेशन के मामले में कौन बेहतर ? यहां जानिए डिटेल्स

**सिट्रोएन ने हाल ही में ऑल न्यू Citroen Basalt Vision SUV को पेश किया है। कंपनी इसे त्योहारी सीजन के आसपास भारतीय बाजार में लॉन्च करेगी। Citroen Basalt के सेंटर में क्रोम-लाइन वाले सिट्रोएन लोगो के साथ एक डुअल-स्लैट फ्रंट ग्रिल है। इसे एलईडी डीआरएल के साथ प्रोजेक्टर हेडलैंप भी दिया गया है। टाटा कर्व की बात करें तो इसमें कनेक्टेड एलईडी डीआरएल दिए जा सकते हैं।**

**नई दिल्ली।** सिट्रोएन ने हाल ही में ऑल न्यू Citroen Basalt Vision SUV को पेश किया है। कंपनी इसे त्योहारी सीजन के आसपास भारतीय बाजार में लॉन्च करेगी। इसका सीधा मुकाबला Tata Curvv से होने वाला है। हालांकि, दोनों में से कोई भी कार अभी तक आधिकारिक रूप से नहीं लॉन्च हुई है। आइए, इन दोनों कूप-एसयूवी के बारे में जान लेते हैं।

**डिजाइन**

Citroen Basalt के सेंटर में क्रोम-लाइन वाले सिट्रोएन लोगो के साथ एक डुअल-स्लैट फ्रंट ग्रिल है। इसे एलईडी डीआरएल के साथ प्रोजेक्टर हेडलैंप भी दिया गया है। इसके अलावा, सिल्वर फिनिश वाली फॉक्स स्किड प्लेट, मस्कुलर हुड और फ्रंट बम्पर C3 Aircross से लिए गए हैं।

टाटा कर्व की बात करें तो इसमें कनेक्टेड एलईडी डीआरएल दिए जा सकते हैं। ग्रिल और एयर डैम पर इंसर्ट हैं, जबकि हेडलाइट हाउसिंग भी अन्य आधुनिक कंपनी कारों से काफी प्रेरित लगती है। कुल मिलाकर इसका फ्रंट फेसिया भी काफी आक्रामक नजर आता है।

**इंजन और स्पेसिफिकेशन**

Citroen संभवतः उसी 1.2-लीटर पेट्रोल मिल का उपयोग करेगी, जो इसके वर्तमान वाहनों को शक्ति प्रदान करता है। ये पावरट्रेन 109 bhp और 190 Nm का पीक टॉर्क बनाता है। गियरबॉक्स विकल्पों में एक मैनुअल और एक ऑटोमैटिक शामिल हो सकता है।

टाटा कर्व के साथ कंपनी एक पेट्रोल इंजन, एक डीजल मिल और एक ऑल-इलेक्ट्रिक पावरट्रेन पेश करेगी। इसके आईसी इंजन नेक्सन की पावर यूनिट के समान होंगे, जबकि ईवी विकल्प भी समान हो सकते हैं। सिंगल चार्ज पर ये लगभग 500KM की रेंज प्रदान कर सकती है। कीमत के मामले में भी ये दोनों एसयूवी एस-दूसरे को कड़ी टक्कर देने वाली हैं। एक ओर टाटा की एसयूवी है तो वहीं Citroen Basalt Vision SUV भी हाईली लोकलाइज्ड होने वाली है।

# Ola ने जो बोला वो कर दिखाया ! बिना राइडर के फर्राटा भरेगा Solo ई-स्कूटर, सेल्फ- बैलेंसिंग देख उड़ जाएंगे होश

**Electric Scooter with AI Features ओला इलेक्ट्रिक ने दुनिया के पहले ऑटोनोमस इलेक्ट्रिक स्कूटकर को पेश किया है। Bhavish Aggarwal द्वारा अपने एक्स हैंडल पर अपलोड किए गए वीडियो में Ola Electric स्कूटर को राइडर के बिना घूमते हुए देखा जा सकता है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अग्रवाल ने उल्लेख किया कि सोलो गतिशीलता के भविष्य की एक झलक देता है।**

**नई दिल्ली।** Ola Electric ने दुनिया के पहले ऑटोनोमस इलेक्ट्रिक स्कूटकर को पेश किया है। कंपनी ने इसका नाम Ola Solo रखा है और इसका वीडियो भी यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया गया है।

**Ola Solo की खासियत**

Ola Solo को पहली बार 1 अप्रैल को टीज किया गया था। शुरुआत में लगा था कि कहीं ये अप्रैल फूल वाली पोस्ट तो नहीं है, लेकिन ये वर्किंग प्रोटोटाइप निकला। Bhavish Aggarwal द्वारा अपने एक्स हैंडल पर अपलोड किए गए वीडियो में ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर को राइडर के बिना घूमते हुए देखा जा सकता है।

अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अग्रवाल ने उल्लेख किया कि सोलो गतिशीलता के भविष्य की एक झलक देता है और ओला की इंजीनियरिंग टीम दोपहिया वाहनों में ऑटोनोमस और सेल्फ बैलेंसिंग तकनीक पर काम कर रही हैं, जो भविष्य में सामने आएंगी। ओला इलेक्ट्रिक का दावा है कि सोलो पूरी तरह से होम मेड होगा।

**Ola Solo की स्पेसिफिकेशन**

सोलो अनिवार्य रूप से ओला के क्विकी.एआई सॉफ्टवेयर के लिए एक टेस्टिंग बेड है, जो तुरंत निर्णय लेने में सक्षम है। AI स्वदेशी रूप से विकसित LMAO 9000 चिप द्वारा संचालित है, जो सड़कों पर आसानी से नेविगेट करने के लिए रियल टाइम ट्रैफिक डेटा एनालिसिस करता है। ऑटोनोमस कैपेसिटी को बढ़ाने के लिए जेयू-गार्ड नामक इन-हाउस डेवलप्ड एडाप्टिव एल्गोरिदम है, जो न केवल राइड पैटर्न का विश्लेषण करता है, बल्कि एक आरामदायक सवारी तैयार करने के लिए गड्ढों, स्पीड ब्रेकरों और अन्य सभी बाधाओं को भी ध्यान में रखता है। यह एक ह्यूमन मोड के साथ आता है।

# स्कूल शिक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

प्रताप सिंह पटियाल

**वास्तव में यह एक क्रांति की तरह है, जिससे हर दिन लाखों छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। एआई को अगर आने वाले समय की मुख्य जरूरत कहा जाए तो गलत नहीं होगा। पढ़ाई से लेकर बिजनेस तक कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां इसका इस्तेमाल नहीं होता है। समय के साथ लोगों की निर्भरता एआई पर बढ़ी है और आगे यह और बढ़ेगी।**

स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग चर्चा का विषय है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अर्थ है बनावटी (कृत्रिम) तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता, और इसके जरिये कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है, जिसे उन्हीं तर्कों के आधार पर चलाने का प्रयास किया जाता है जिसके आधार पर मानव मस्तिष्क काम करता है। तकनीक ने हमेशा शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का छात्रों को सीखने में मदद करने के लिए कई अलग-अलग तरीकों से उपयोग किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा में एआई का उपयोग न केवल सीखने की प्रभावशीलता को बढ़ावा दे सकता है और सीखने की प्रक्रिया के दौरान मानव बुद्धि को बढ़ा सकता है, स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से हर बच्चे के लिए इंटेलिजेंट बनने की क्षमता में वृद्धि हो सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से विकसित होती हुई तकनीक है, जो शिक्षा समेत कई क्षेत्रों में क्रांति ला रही है। इस समय देश में एआई को स्कूली शिक्षा में लागू करने की दिशा में पहल की जा रही है। स्कूल शिक्षा में एआई का उपयोग छात्रों के सीखने को बेहतर बनाने, शिक्षकों को उनके काम में ज्यादा सहयोग देने और शिक्षा प्रणाली को अधिक कुशल बनाने के लिए किया जा सकता है।

इसके अनेक फायदे हैं। इसका इस्तेमाल पाठ्यक्रम सामग्री को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। देश के अनेक राज्यों मे छात्रों की रुचियों और सीखने की शैली के आधार पर पाठ्यक्रम सामग्री को उनके अनुकूल बनाने के लिए एआई को इस्तेमाल करने के प्रयास हो रहे हैं। इसकी मदद से छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देने, उन्हें व्यक्तिगत अभ्यास करवाने और सीखने की प्रगति पर मार्गदर्शन करने के लिए किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्कूली शिक्षा के लिए एक शक्तिशाली जरिया हो सकता है, लेकिन इस क्षेत्र में कुछ चुनौतियां हैं। एआई तकनीक लागू करना फिलहाल महंगा है, इसलिए सभी स्कूलों के लिए इसे अपनाना भी एक चुनौती है। एआई का उपयोग करने वाले शिक्षकों को एआई तकनीकों को सीखने और उपयोग करने के लिए समय और प्रयास लगाने की भी आवश्यकता है। साथ ही छात्रों की सुरक्षा और गोपनीयता को सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। कोई भी तकनीक आप तुरंत

किसी के जीवन में ले आते हैं, तो उसके दुष्परिणाम समझ नहीं पाते। पहले तकनीक के उपयोग के पहलू पढ़ाने चाहिएं। बच्चों को और शिक्षकों को समझाया जाना चाहिए कि इस तकनीक को सेहतमंद तरीके से कैसे इस्तेमाल करना चाहिए। इसलिए जरूरी है कि एआई को स्कूली पाठ्यक्रमों में लाने की हड़बड़ी नहीं दिखानी चाहिए। शिक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जाए, यह सीखने की चुनौती छात्रों और शिक्षकों के लिए है। ज्यादातर मामलों में, समस्या यह है कि शिक्षकों को अपनी कक्षाओं में नई तकनीक का उपयोग करने के बारे में प्रशिक्षित नहीं किया जा रहा है। इसके लिए कौन पहल करेगा? क्यों न स्कूलों में दिए जाने वाले यूनिफॉर्म और मिड-डे-मील की तर्ज पर छात्रों को और शिक्षकों को भी, शैक्षणिक उपयोग के लिए, टैबलेट या कंप्यूटर दिए जाएं। इससे गरीब आर्थिक पृष्ठभूमि वाले स्कूल छात्र भी रिकॉर्डेड वीडियोज से पढ़ाई कर पाएंगे और उनके बस्ते का वजन भी घटेगा।

इसके अलावा छात्रों और शिक्षकों का अनुपात सुधरेगा। साथ ही, छात्रों को एआई जैसी तकनीकों के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सकेगा। एआई का एक फायदा यह है कि आप स्टडी मैटीरियल को अपने हिसाब से इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके डिफिकल्टी लेवल को आप अपनी समझ के हिसाब से सेट कर सकते हैं। कई बार नोट्स से लेकर बाकी स्टडी मैटीरियल तक इतना फैला और फंसा और उलझा होता है कि उसे शॉर्ट करके ठीक से अरेंज करने में ही बहुत समय चला जाता है। आप इसे भी यहां ठीक से, क्रम के मुताबिक अरेंज कर सकते हैं। शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इस समय एक विवादास्पद विषय भी है। कई विद्वानों का तर्क है कि एआई शिक्षकों की जगह ले लेगा और शिक्षा के मानवीय तत्व को छीन लेगा। यह ठीक नहीं है बावजूद इसके, एआई में स्कूली शिक्षा के वर्तमान और भविष्य को बदलने की बेहतरीन क्षमता है। दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षा जैसी गैर-पारंपरिक शिक्षा तक पहुंच को बढ़ावा देने में एआई उपयोगी साबित होगा। इससे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों को भी स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। शिक्षा के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में, एआई एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभर रही है, जो छात्रों के सीखने और शिक्षकों के पढ़ाने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। बड़ी मात्रा में डेटा को संसाधित करने, व्यक्तिगत सीखने की जरूरतों के अनुकूल होने और शिक्षण पद्धतियों को बढ़ाने की अपनी क्षमता के साथ, एआई अभूतपूर्व तरीकों से शिक्षा को नया आकार दे रही है। वैयक्तिकृत शिक्षण अनुभवों से लेकर बुद्धिमान शिक्षण प्रणालियों तक, वर्तमान और भविष्य की शिक्षा पर एआई का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। एआई शिक्षा को गहन तरीकों से बदल रहा है, व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव प्रदान कर रहा है, शिक्षकों को सशक्त बना रहा है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ा रहा है।

जैसे-जैसे हम शिक्षा में एआई के उभरते परिदृश्य को देखते हैं, तकनीकी प्रगति और प्रभावी शिक्षण और सीखने के लिए आवश्यक मानवीय स्पर्श को संरक्षित करने के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है। एआई की क्षमता का जिम्मेदारी से उपयोग करके, हम एक ऐसे शैक्षिक परिदृश्य को आकार दे सकते हैं जो वास्तव में सभी शिक्षार्थियों के लिए समावेशी, अनुकूली और सशक्त है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के जरिए छात्रों-विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता को समझते हुए उनके लिए जरूरी और सटीक पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। कोई छात्र कैसे सीख पा रहा है, इस पर गहन अध्ययन के आधार पर उनके लिए मॉडल बना कर सिखाने का नया पैटर्न विकसित किया गया है। वास्तव में यह एक क्रांति की तरह है, जिससे हर दिन लाखों छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। एआई को अगर आने वाले समय की मुख्य जरूरत कहा जाए तो गलत नहीं होगा। पढ़ाई से लेकर बिजनेस तक कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां इसका इस्तेमाल नहीं होता है। समय के साथ लोगों की निर्भरता एआई पर बढ़ी है और आगे यह और बढ़ेगी। राज्य सरकारें स्कूल शिक्षा की विषय वस्तु में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की गहनता बढ़ाने के लिए उपयुक्त कदम उठाएं और शिक्षकों की इसमें ट्रेनिंग के लिए व्यवस्था करें, तो राज्यों के निरंतर विकास को गति दी जा सकेगी।

## संपादक की कलम से

# भारत-बहिष्कार की सियासत

समूचे बांग्लादेश को याद रखना चाहिए कि यदि वह अस्तित्व में है, तो भारत की बदौलत है। 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति का युद्ध भारतीय सेना ने लड़ा था और पाकिस्तान के 90,000 से अधिक फौजियों को आत्म-समर्पण के लिए विवश किया था। मुक्ति-संग्राम के दौरान शेख मुजीबुर्रहमान को भारत ने ही संरक्षण दिया था। जब बांग्लादेश बनने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति शेख मुजीब और परिजनों के कत्ल किए गए थे, तब मौजूदा प्रधानमंत्री हसीना को भी भारत ने ही शरण देकर उनकी जान बचाई थी। प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद बुनियादी, मानसिक और सैद्धांतिक रूप से 'भारतवादी' हैं। वैसे भी ढाका और दिल्ली के सांस्कृतिक और कारोबारी रिश्ते ब्रिटिशकालीन हैं। चूंकि शेख हसीना एक बार फिर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री चुनी गई हैं, अवाम ने कट्टरपंथी, दहशतगर्द ताकतों को खारिज कर जनादेश दिया है कि उन्हें जेल में ही सडने दें, लिहाजा भारत पर तोहमतें चस्पा की जा रही हैं कि हसीना को चुनाव जिताने में भारत सरकार की दखल भूमिका रही है। यह सरासर गलत है। भारत ने तो तब भी बांग्लादेश की अंदरूनी सियासत में हस्तक्षेप नहीं किया था, जब वहां सैन्य वर्चस्व बढ़ रहा था। अब विरोध प्रधानमंत्री शेख हसीना का है, लेकिन अभियान 'बॉयकॉट इंडिया' का छेड़ रखा है। भारतीय उत्पादों का बहिष्कार किया जाए, विपक्ष की 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' (बीएनपी) ने भारत के प्रत्यक्ष बहिष्कार का नकारात्मक आह्वान कर रखा है।

यह घोर निंदनीय है। लगता है बीएनपी के नेता और काडर को इतिहास की जानकारी नहीं है और न ही उन्हें बांग्लादेश के अस्तित्व के लिए भारत के आर्थिक और सामरिक सहयोग का एहसास है। वैसे बीएनपी के भारत-बहिष्कार का मुंहतोड़ जवाब प्रधानमंत्री हसीना ने विपक्ष को दिया है। उन्होंने विपक्षी नेताओं को कहा है कि वे अपनी पत्नियों की साडियां जलाएं। उनकी पत्नियों के पास कितनी साडियां हैं और उन्होंने अभी तक उन्हें आग के हवाले क्यों नहीं किया? प्रधानमंत्री हसीना ने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी को चुनौती दी है, जब विपक्षी नेता अपनी पत्नियों की भारतीय साडियां अपने पार्टी दफ्तर के सामने जलाएंगे, तब यह साबित होगा कि वे वाकई भारतीय उत्पादों का बहिष्कार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री हसीना का गंभीर आरोप है कि जब बीएनपी सत्ता में थी, तो उनके नेता और पत्नियां भारत जाते थे। वहां से साडियां खरीद कर लाते थे और बांग्लादेश में लौट कर साडियां बेचा करते थे। अब बीएनपी नेताओं को भारतीय उत्पादों पर क्या कहना है? दरअसल भारत से गरम मसाला, प्याज, लहसुन, अदरक और लगभग सभी मसाले बांग्लादेश को भेजे जाते रहे हैं। प्रधानमंत्री हसीना का सवाल है कि क्या भारतीय मसाले बीएनपी नेताओं के घरों में नहीं दिखेंगे?

अथवा बीएनपी नेता और उनके परिवार इन मसालों के बिना ही भोजन खाएंगे? भारत के ढेरों उत्पाद बांग्लादेश में आते हैं, किस-किस का बहिष्कार किया जाएगा? दरअसल यदि बांग्लादेश चाहे, तो भी भारत का बहिष्कार नहीं कर सकता, क्योंकि वहां भारतीय उत्पादों की भरमार है। भारतीय उत्पादों का बहिष्कार व्यावहारिक और सैद्धांतिक तौर पर भी अनुचित है। यह संकीर्ण अभियान बीएनपी के एक नेता की स्वार्थी राजनीति के तौर पर छेड़ा गया था, जिसने भारतीय, कश्मीरी शॉल कंधे से उतार फेंका था। 'हैशटैग इंडिया आउट' और 'बॉयकॉट इंडियन प्रोडक्ट्स' के जुमलों की सियासत आखिर क्या है? उसे जनमत तो हासिल नहीं है और न ही व्यापक स्वीकृति मिली है। बेशक बांग्लादेश में भारतीय साडियों के प्रति स्वाभाविक लगाव है। प्रधानमंत्री हसीना को भी ये साडियां खूब पसंद हैं। क्या हसीना-विरोध के लिए बहिष्कार के मुद्दे पर अवाम को उकसाया जा रहा है? इसी तर्ज पर मालदीव चल रहा है। सवाल है कि क्या कोई देश बहिष्कार के आधार पर ही प्रगति कर सकता है?

## राय

## पर्यटन की आस्था

अभी नवरात्रि आगमन की सूचना भर ही थी कि श्रद्धालुओं ने ज्वालामुखी मंदिर की व्यवस्था को निकम्मा साबित कर दिया। सप्ताहांत पर्यटन की शुमारी में बड़े मंदिर के दर्शन छोटे हो गए, तो उस दावे को पलीता लग गया जो हिमाचल में पांच करोड़ पर्यटकों का इंतजार कर रहा है। हम कारणों को समझे बिना व्यवस्था-व्यवस्था चिल्लाते हैं, जबकि न तो योजना की परिकल्पना और न भविष्य की संरचना में कुछ हो रहा है। सारे पर्यटन की मुट्ठी में होटलों को भरने की कोशिश इस कद्र हावी है कि सत्ता का हर पक्ष भी सरकारी होटलों में अपना नाम देखता है। हर सत्ता की निगाह में मंदिर आए जरूर, लेकिन कमाई के भोजपत्र पर सरकारी घोषणाओं का कब्जा होता रहा। मंदिर तब तक भवन थे, जब तक श्रद्धालु पर्यटक नहीं थे। अब वे पर्यटक ज्यादा, श्रद्धालु कम हैं। हिमाचल के बड़े मंदिरों के दर्शनार्थी बढ़ गए, लेकिन दर्शन बड़े नहीं हुए। कारण जितने ज्वालाजी में हैं, उतने ही चिंतपूर्णी, दियोटसिद्ध या किसी अन्य मंदिर परिसर में होंगे। हमने दक्षिण भारतीय मंदिरों का अध्ययन करने के लिए खर्च तो उठाया, लेकिन रिपोर्ट बनाकर भी सीखा कुछ नहीं। ऐसे में सवाल मंदिर परिसर की अफरा-तफरी तक ही नहीं, बल्कि सडक़ से हर सफर तक देखे जाते हैं। हम पर्यटन की तमाम घोषणाओं और परियोजनाओं में बड़ी मंजिलों का गुणगान सुनते हैं, लेकिन यह अभी नहीं जान पाए कि हिमाचल में करीब अस्सी फीसदी सैलानी या तो मंदिर यात्री के रूप में आए या धार्मिक पर्यटन ने इन्हें डेस्टिनेशन टूरिज्म तक पहुंचा दिया।

न पर्यटन के सेतु देखे गए और न ही यह प्रयास हुआ कि किस तरह धार्मिक स्थलों को आर्थिकी का स्थायी स्तंभ बनाया जाए। कल अगर सरकार को सैलानियों की तादाद में पर्यटन देखना है, तो सर्वप्रथम मंदिर परिसर और धार्मिक शहरों का मास्टर प्लान एवं गवर्निंग बाडीज स्थापित करनी होगी। मंदिर पर्यटन को धार्मिक पर्यटन का आकार देना तभी संभव होगा, यदि इसके लिए एक केंद्रीय मंदिर ट्रस्ट तथा मंदिर विकास प्राधिकरण का गठन किया जाए। मंदिर आय के सही इस्तेमाल को अगर तरजीह व अनुशासित निगाह मिले, तो इससे न केवल वांछित व शहरी विकास, बल्कि आर्थिकी का संचार भी होगा। सवाल परिक्रमा का नहीं, बल्कि परिदृश्य को बदलने का है। मंदिरों की शक्ति में पर्यटन की अहमियत को स्वीकार करें, तो योजनाओं के किरदार बदलेंगे। अब तक मंदिर आय पर सियासी तथा प्रशासनिक दृष्टि केवल दोहन भर की रही है, जबकि इन्हें सर्किट के रूप में विकसित करना होगा। आय-व्यय के कुचक्र में मंदिरों में न तो प्रशासनिक सुधार हुए और न ही क्षमता का विस्तार किया गया। उदाहरण के लिए ज्वालाजी मंदिर को अगर धार्मिक केंद्र के रूप में निखारना हो तो व्यापक शहरी विकास योजना का खाका बनाना पड़ेगा। मंदिर परिसर का क्षेत्रफल आठ से दस किलोमीटर तक सुव्यवस्थित करते हुए पार्किंग, मनोरंजन, व्यापारिक तथा धार्मिक मान्यताओं से जुड़े स्थलों को एक साथ नत्थी किया जा सकता है। ज्वालाजी मंदिर परिसर के साथ नादौन में ध्यानू भक्त की समाधि को जोड़ा जा सकता है, जबकि गरली-परागपुर जैसे धरोहर गांव भी इसकी परिधि में आकर विविध सुविधाओं में इजाफा कर सकते हैं।

ज्वालाजी परिसर के साथ ब्यास नदी में जल क्रीड़ाएं तथा एक कला केंद्र का विस्तार किया जा सकता है। मंदिरों की आय बढ़ाने के लिए अभी तक सिर्फ श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए जा रहे सिक्के गिने जाते रहे हैं, जबकि धार्मिक स्थल की गतिविधियों तथा अधोसंरचना निर्माण को आगे बढ़ाकर ही आर्थिकी बढ़ेगी। बतौर संस्कृति मंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने वीआईपी दर्शन करवा कर ही चिंतपूर्णी मंदिर की आय में दो करोड़ अर्जित करवा दिए, तो ऐसे अनेक समाधानों से हिमाचल करीब आधा दर्जन धर्म स्थलों पर केंद्रित आर्थिकी को पांच करोड़ तक पहुंचा सकता है, बशर्ते शिमला के नीतिकार पर्यटन की आस्था को मंदिरों में समझें। अब तक मंदिरों की आय का सदुपयोग नहीं हुआ है, जबकि इस पर आधारित व्यय से धार्मिक पर्यटन व श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बढ़ावा मिलना चाहिए।

# ट्यूनश-कोचिंग जरूरी या मजबूरी

**छात्रों को भी अपनी प्रतिभा पर आत्मविश्वास जगाना होगा ताकि ट्यूशन व कोचिंग की जरूरत न पड़े। शिक्षा व्यवस्था का परिदृश्य बदलने वाली ट्यूशन, कोचिंग तथा निजी व विदेशी शैक्षणिक संस्थानों की तरफ छात्रों का बढ़ता क्रेज चिंतनीय है'**

देश की शिक्षा व्यवस्था में अंग्रेजी माध्यम का वर्चस्व तथा शिक्षा का निजीकरण होने के कारण कई वर्षों से बच्चों की पीठ पर शैक्षिक बोझ बढ़ चुका है। अंग्रेजी माध्यम की महंगी पढ़ाई व होमवर्क तथा ट्यूशन के बढ़ते मानसिक तनाव से छात्रों का बचपन व मासूमियत कहीं खो गए हैं। ट्यूशन व कोचिंग कल्चर से एक गंभीर मुद्दा बन चुकी शिक्षा के तनाव से छात्रों के चेहरे का नूर व तवस्सुम गायब हो चुके हैं। दरअसल शिक्षा अधिनियम 1835 के जरिए लार्ड मैकाले ने भारतीय शिक्षा पद्धति पर जो दबाव बनाया था, उसका परिणाम देश की करोड़ों प्रतिभाएं भुगत रही हैं। वर्तमान में बड़े पूंजीपति व कारोबारी लोग निजी तौर पर स्कूलों से लेकर महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों का संचालन करके देश की शिक्षा व्यवस्था पर कब्जा जमा चुके हैं। ट्यूशन व कोचिंग इंडस्ट्री का वार्षिक कारोबार कई हजार करोड़ रुपए का है। अभिभावक अपने बच्चों को आईपीएस, आईएएस, राजस्व अधिकारी व डाक्टर बनाने की चाहत में कोचिंग सेंटरों में प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए की फीस अदा कर रहे हैं। अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा के आकर्षण से बच्चों को अंग्रेज बनाने की ख्वाहिश तथा परीक्षाओं में अंकों की चाहत के चलते देश में ट्यूशन व कोचिंग कल्चर की मांग बढने से शिक्षा का व्यापारीकरण शुरू हुआ। छात्रों पर बस्ते का बोझ बढ़ता गया। मासूमों पर बस्ते के बोझ को लेकर देश में कई वर्षों से चिंता जाहिर की जा रही है। सन-1977 में 'ईश्वर भाई पटेल' की अध्यक्षता वाली समिति ने बस्ते का बोझ कम करने के लिए शिक्षा मंत्रालय को पहली बार रिपोर्ट पेश करके देश का ध्यान आकर्षित किया था।

देश के मशहूर लेखक व राज्यसभा सांसद आरके नारायण ने सन-1991 में राज्यसभा में अपने पहले ही भाषण में बच्चों पर बस्ते के बोझ को लेकर चिंता जाहिर की थी। आरके नारायण का शिक्षा पर केंद्रित वो वक्तव्य देशव्यापी चर्चा का केन्द्र बना। नतीजतन केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय हरकत में आया तथा छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों पर स्कूल बैग का बोझ कम करने के मकसद से मार्च 1992 में प्रोफेसर 'यशपाल' की अध्यक्षता में देश के आठ शिक्षाविदों की समिति गठित की गई। डा. यशपाल समिति ने 'बस्ते का बोझ' नामक रिपोर्ट में कहा था कि 'बच्चों के लिए स्कूली बस्ते के बोझ से ज्यादा बुरा है जो पढ़ाया जाता है, उसे न समझ पाने का बोझ'। सन-2012 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने माना था कि भारी स्कूल बैग के कारण छोटे बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। कोचिंग कल्चर पर लगाम लगाने के लिए भी सरकारें कई फरमान जारी कर चुकी हैं। सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए कोचिंग की मनाही है।

मगर अंग्रेजी माध्यम के कारण एक बड़े बिजनेस का रूप ले चुकी शिक्षा व्यवस्था पर न्यायालयों के आदेशों व समितियों के सुझावों का कोई असर नहीं होता। महंगी फीस वसूल कर हर निजी शिक्षण संस्थान छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के दावे जरूर करते हैं, लेकिन इसके बावजूद लाखों छात्र ट्यूशन व कोचिंग सेंटरों की शरण में जाने को मजबूर हैं। बेशक बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को अपने उज्ज्वल भविष्य की तलाश में शैक्षणिक मार्गदर्शन के लिए कोचिंग का सहारा लेना पड़ रहा हैं, परंतु हकीकत यह है कि निजी शिक्षण संस्थानों में महंगी फीस अदा करने के बाद ट्यूशन व कोचिंग संस्थानों में जाने से छात्रों का आत्मविश्वास प्रभावित हो रहा है। ज्यादातर छात्रों के जहन में बात बैठ चुकी है कि प्रतियोगी परीक्षा के लिए बिना कोचिंग से वे सक्षम नहीं होंगे। नतीजतन छात्रों में मानसिक तनाव व परीक्षाओं में असफलता के बाद आत्महत्या की प्रवृत्ति पैदा हो रही है। निजी शिक्षण संस्थानों में गाडियों की सुविधा से छात्रों में शारीरिक गतिविधियां कम हो चुकी हैं। ट्यूशन व कोचिंग के बढ़ते प्रचलन से खेलकूद प्रतियोगिताओं का दायरा भी सीमित हो चुका है। सैन्य बलों में सामान्य सेवा के तौर पर भर्ती होने के इच्छुक नौजवान भी कोचिंग के मकडज़ाल में फंस चुके हैं। युवाओं को सशस्त्र बलों में भर्ती कराने के नाम पर देश में सैंकड़ों कोचिंग सेंटर चल रहे हैं। युवाओं को सैन्य बलों के प्रति आकर्षित करने के लिए कई भ्रामक विज्ञापन जारी किए जाते हैं। हैरत की बात है कि जिन लोगों का सैन्य बलों से दूर तक कोई नाता नहीं रहा, जो खुद सैन्य मापदंड प्रक्रिया को पूरा करने में असमर्थ हैं, ऐसे लोग भी कई कोचिंग अकादमियों का संचालन करके युवा वर्ग को सशस्त्र सेनाओं में अधिकारी बनने का ख्वाब दिखाकर महंगी फीस वसूल रहे हैं। यह सब अंग्रेजी तालीम का करिश्मा है। हिंदी व मातृभाषाओं के माध्यम में ट्यूशन व कोचिंग की जरूरत नहीं होती।

यदि देश में करोड़ों छात्र सरकारी स्कूलों से विमुख होकर निजी शिक्षण संस्थानों का रुख कर रहे हैं, अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने से छात्रों की पीठ पर स्कूल बैग का भार बढ़ चुका है। निजी शिक्षण संस्थान, ट्यूशन व कोचिंग छात्रों के लिए जरूरी व मजबूरी बन चुके हैं। कोचिंग संस्थानों में लाखों रुपए की फीस भरने के बावजूद प्रतियोगी परीक्षाओं में असफलता के बाद प्रतिभाओं का विकल्प आत्महत्या है तो स्वीकार करना होगा कि देश में शिक्षा तंत्र के नीति निर्माता इस विषय पर गंभीर नहीं हैं। निजी विद्यालयों व कोचिंग संस्थानों में उच्च वर्गीय छात्र ही शिक्षा हासिल कर सकते हैं। आर्थिक तौर पर कमजोर अभिभावक अपने बच्चों को निजी शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने तथा ट्यूशन व कोचिंग की महंगी फीस अदा करने में समर्थ नहीं हैं। अतः ट्यूशन व कोचिंग के मोहजाल से छुटकारा पाने के लिए सरकारी शिक्षा व्यवस्था का बुनियादी ढांचा मजबूत होना चाहिए। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो तो छात्रों में सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावशाली हो सकती है। छात्रों को भी अपनी प्रतिभा पर आत्मविश्वास जगाना होगा ताकि ट्यूशन व कोचिंग की जरूरत न पड़े। बहरहाल देश की शिक्षा व्यवस्था का परिदृश्य बदलने वाली ट्यूशन, कोचिंग तथा निजी व विदेशी शैक्षणिक संस्थानों की तरफ छात्रों का बढ़ता क्रेज, कोचिंग संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्याओं के मसले पर शिद्दत भरे फिक्र-ए-फलक की जरूरत है। परीक्षाओं में असफलता के कारण प्रतिभाओं द्वारा आत्महत्याएं करना इंतशार पैदा करने वाला तनाजुर है।

# चमचागीरी की धार...?

देश को खाने में जो मजा पंजीकृत होकर खाने में है, वह इंडिपेंडेंट होकर खाने में कहां! सो उनकी पार्टी की टिकटिया देशसेवकों की पहली लिस्ट निकली। उसमें कायदे से उनका नाम किसी भी हाल में नहीं होना था। सो था भी नहीं। इसलिए वे परेशान भी नहीं हुए। उन्हें पता था कि वे पार्टी प्रमुख की पहली टिकट लिस्ट में होने के लेबल के चमचे नहीं हैं। जो अपनी किचन में उनके लिए ब्रेक फास्ट, लंच, डिनर बनाते हैं, टॉप मोस्ट पार्टी मेंबरों में वही आते हैं। ऐसे में उनका नाम पहली लिस्ट में नहीं आया तो न सही। पहली लिस्ट में अपने नाम के हकदार वे होते हैं जो पार्टी प्रमुख के आगे पीछे दिन रात साए की तरह अपनी पूंछ का चंवर झुलाते हैं। आज का दौर काम का दौर नहीं, सलाम का दौर है। आज वही सिकंदर है जो मुंह आगे और तो पीठ पीछे और है। टिकट देने के हर पार्टी के अपने पैमाने होते हैं, मायने होते हैं, अपने अपने पार्टी प्रमुखीय फायदे होते हैं। वैसे पार्टी प्रमुख जिसे चाहे टिकट दे सकता है। यह उसका एकाधिकार होता है। जिसका टिकट काटना हो वह चाहे कितना भी जिताऊ उम्मीदवार क्यों न हो, उसका टिकट एक झटके में उसी तरह कट जाता है जिस तरह भले चंगे आदमी को एकदम फाइनल हार्ट अटैक पड़ता है और फिर उसे तो उसे, उसके साथ वालों को भी पता नहीं चलता कि यार! जो हो गया, सो हो तो गया, पर ये हो क्या गया? इधर चमचों के सिर में हाथ तो उधर घरवालों के। गिरते पड़ते हॉस्पिटल गए तो डॉक्टर ने उसी तरह सॉरी कह दिया जैसे पार्टी हाईकमान कहती है।

फिर वे टिकट वाली देशसेवा की दूसरी लिस्ट का इंतजार करने लगे, अपने चुनाव क्षेत्र में अपने ढंग से हौले हौले चुनावी माइन्स बिछाते हुए। अपने वोटरों को थोड़ा थोड़ा दाना पानी पाते हुए। अब उनकी और उनके कार्यकताओं की पैनी नजरें दूसरी लिस्ट पर गड़ी हुई थीं। वे आश्वस्त ही नहीं, एक सौ एक प्रतिशत आश्वस्त थे कि टिकटों की दूसरी लिस्ट में तो वे होंगे ही होंगे। अपनी दूसरे लेबल की पार्टी प्रमुख की चमचागीरी पर उन्हें पूरा विश्वास था। फिर पार्टी हाईकमान ने टिकट पर देशसेवा करने वाले देशभक्तों की दूसरी लिस्ट निकाली। ये क्या! उसमें भी उनका नाम नहीं! अब वे परेशान हो गए। उनके कान ही नहीं, अब वे जितने खड़े हो सकते थे, उससे अधिक खड़े हो गए। यार! ये हो क्या रहा है? पांच साल तक हमने भी पार्टी की सेवा की है। बंदों को डरा धमका कर लाखों करोड़ों का चंदा दिलवाया है। किसलिए? इसलिए कि वह पार्टी प्रमुख की नजरों में कम से कम दूसरे दर्जे का तो बना रहे। उन्हें अब देशसेवा की फील्ड में और टिकना मुश्किल लगने लगा। फिर सोचा, पार्टी बदल ली जाए। सुविधा के दौर में राजनीतिक प्रतिबद्धता का क्या काम? जेब में उनके और कुछ रहता था या नहीं, दो चार गिरगिट तो हरदम रहते ही थे। वे हताश होने लगे।

कार्यकर्ता उनके हाथ से फिसलने लगे। वे काम की तलाश में और जगह जाने लगे। उन्हें लगा कि अबके जो वे चुनाव की रैलियों में गरज नहीं पाएंगे, बरस नहीं पाएंगे तो स्वार्थ की फसल पांच से कैसे उगाएंगे? मेघ गरजे, बरसे बिना रह सकते हैं, पर प्रतिबद्ध से लेकर संबद्ध नेता नहीं। वे सिर से पांव तक उदास! अब क्या किया जाए? टिकट दिलाने वाला अमृत कहां से पिया जाए? तीसरी लिस्ट में तो उनका नाम होगा नहीं! सो वे खिन्न, छिन्न, भिन्न! वे उदास बैठे थे, दिल्ली की ओर मुंह किए। पार्टी ने तो उनसे दिल्लगी की ही, पर ज्यों कंबख्त दिल्ली भी उनसे दिल्लगी कर रही हो! अचानक उन्हें गजब का आइडिया आया और उन्होंने प्रेस के नाम बयान जारी किया, 'हमारे पार्टी प्रमुख, देहधारी नहीं, भगवान के साक्षात अवतार हैं। जिस तरह भगवान अपनी जनता के कल्याण के लिए अवतार लेते हैं उसी तरह उन्होंने भगवान का कल्याण करने के लिए अवतार लिया है।' बस, फिर क्या था! उनके इस बयान को देख सुन मीडिया पागल हो गया। सारा प्रिंट मीडिया उनके द्वार तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हाहाकार! मिल गई, ब्रेकिंग मिल गई। इधर उनका बयान ज्यों ही प्रिंट मीडिया के कवर पर लीड बन छपा, खबरिया चैनलों पर आंधी तूफान की तरह उड़ा, उनका नाम पार्टी प्रमुख की क्षमा याचना के साथ देशसेवा करने वाले टिकटिया देशसेवकों की लिस्ट में सबसे ऊपर सजा। बोलो चमचागीरी की जय! चमचागीरी की कोई हद भले ही हो, पर चमचों की कोई हद नहीं होती मेरे प्रभु! अपने चरण मेरी ओर भी बढ़ाओ हे पार्टीनाथ!

# Heatwave का नहीं होगा असर, इस साल आम की होगी बंपर पैदावार; किसानों को बरतनी होगी सावधानी

Mango Production

देश में आम का सीजन शुरू हो गया है। आम का लुत्फ उठाने वालों के लिए खुशखबरी है। आईसीएआर-केंद्रीय उपोष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान के निदेशक टी दामोदरन ने कहा कि इस साल आम के प्रोडक्शन में 14 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिलेगी। इस साल कुल आम उत्पादन लगभग 24 मिलियन टन हो सकता है। पढ़ें पूरी खबर...

**नई दिल्ली।** देश में आम का सीजन शुरू हो गया है। इस सीजन में आम के प्रोडक्शन (Mango Production India) में तेजी देखने को मिलेगी।

आईसीएआर-केंद्रीय उपोष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान (ICAR-Central Institute for Subtropical Horticulture) के निदेशक टी दामोदरन ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि इस साल भारत का कुल आम उत्पादन लगभग 14 प्रतिशत बढ़कर 24 मिलियन टन हो सकता है।

हालांकि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल अप्रैल-मई अवधि में लू चलने का अनुमान जताया है। इस लू का असर आम की पैदावार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। आम की पैदावार को लेकर दामोदरन ने कहा कि किसान फलों के अत्यधिक गिरने को कम करने के लिए मई के दौरान सिंचाई का ध्यान रखें।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गर्मी की लहरों के तीव्र दौर की भविष्यवाणी की है जो सामान्य दो से चार दिनों के बजाय 10-20 दिनों के बीच रह सकती है। मध्य भारत, पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में सामान्य से अधिक गर्मी वाले दिन होने की संभावना है।

**दक्षिण भारत में होगा आम का ज्यादा प्रोडक्शन**

आम की फसल की संभावनाएं अभी अच्छी हैं। 2023-24 फसल वर्ष (जुलाई-जून) में कुल उत्पादन बढ़कर 24 मिलियन टन हो सकता है, जबकि 2022-23 में यह 21 मिलियन टन होगा।

# नए वित्त वर्ष में भी भारत की विकास दर रहेगी सबसे अधिक, 2024-25 में 6.6 प्रतिशत रह सकती है GDP की रफ्तार

विश्व बैंक के मुताबिक भारत की मजबूत विकास दर की वजह से अगले दो साल तक दक्षिण एशिया का क्षेत्र सबसे तेज गति से विकास करेगा। दक्षिण एशिया के अन्य देशों की विकास दर बढ़ने से भारत के निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा। विश्व बैंक के अनुमान के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में औद्योगिक उत्पादन व सेवा क्षेत्र फिलहाल की तरह मजबूत रहेंगे।

**नई दिल्ली।** चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भी भारत दुनिया के प्रमुख देशों के बीच सबसे तेज गति से विकास करेगा। विश्व बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी विकास दर 6.6 प्रतिशत रहेगी। हालांकि गत वित्त वर्ष 2023-24 की अनुमानित विकास दर से यह कम है।

विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की विकास दर 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जबकि पहले विश्व बैंक ने इस अवधि में विकास दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। लेकिन गत वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में जीडीपी विकास दर 8.4 प्रतिशत रहने के बाद विश्व बैंक ने गत वित्त वर्ष के लिए भारत के विकास दर अनुमान में 1.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी।

रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में निवेश की गति में कमी और गत वित्त वर्ष की मजबूत विकास दर से चालू वित्त वर्ष की विकास दर थोड़ी कम दिखेगी। हालांकि विश्व बैंक के अनुमान के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में औद्योगिक उत्पादन व सेवा क्षेत्र फिलहाल की तरह मजबूत रहेंगे। रियल एस्टेट व निर्माण क्षेत्र में भी तेजी रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में महंगाई में गिरावट रहेगी और केंद्र सरकार के प्रयास व जीडीपी में बढ़ोतरी से मीडियम टर्म में राजकोषीय घाटा और सरकारी कर्ज में भी कमी आएगी।

आरबीआइ ने चालू वित्त वर्ष में सात प्रतिशत विकास दर का अनुमान लगाया है। विश्व बैंक के मुताबिक भारत की मजबूत विकास दर की वजह से अगले दो साल तक दक्षिण एशिया का क्षेत्र सबसे तेज गति से विकास करेगा। दक्षिण एशिया के अन्य देशों की विकास दर बढ़ने से भारत के निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा।

गत वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च) की जीडीपी विकास दर का सरकारी आंकड़ा जून में जारी होगा, लेकिन फरवरी व मार्च में सर्विस व मैन्युफैक्चरिंग में तेजी को देखते हुए अंतिम तिमाही की विकास दर आठ प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी हाल ही में एक कार्यक्रम में अंतिम तिमाही में आठ प्रतिशत विकास दर रहने का अनुमान जाहिर किया था।

# RBI MPC Meeting आज से हो गई शुरू, इस दिन होगा बैठक में लिए गए फैसलों का एलान

परिवहन विशेष न्यूज

RBI Monetary Policy Latest Update चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही शुरू हो गई है। इसी के साथ आज से भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक (RBI FY25 1st MPC Meeting) भी आज से शुरू हो गई। बता दें कि हर दो महीने के बाद यह बैठक होती है। इस बैठक में लिए गए फैसलों का एलान 5 अप्रैल 2024 को होगा।

**नई दिल्ली।** भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग (RBI MPC Meeting) आज से शुरू हो गई। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की यह पहली बैठक है। इस बैठक में समिती द्वारा रेपो रेट (Repo Rate) के साथ कई और अहम फैसले भी लिए जाएंगे।

यह बैठक 3 अप्रैल 2024 से 5 अप्रैल 2024 तक चलेगी। 5 अप्रैल 2024 को रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास द्वारा बैठक में लिए गए फैसलों का एलान किया जाएगा। बता दें कि इस बैठक की अध्यक्षता आरबीआई गवर्नर द्वारा किया जाता है। वर्तमान में रेपो रेट 6.5 फीसदी है।

इस बार भी कई एक्सपर्ट संभावना जता रहे हैं कि रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होगा। बता दें कि आखिरी बार फरवरी 2023 में केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट को बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया था।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी के विजयकुमार के अनुसार

एमपीसी द्वारा 5 अप्रैल को नीतिगत दरों पर कार्रवाई करने की संभावना नहीं है। हालांकि इस साल रेट कट की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन रेट कट के लिए अभी समय अनुकूल नहीं है। अर्थव्यवस्था में विकास की गति मजबूत है और वित्त वर्ष 24 में शुरुआती अनुमान से काफी आगे 7.6% की जीडीपी वृद्धि दर्ज होने की संभावना है। वित्त वर्ष 2025 में भारत के लिए 7% की विकास दर हासिल करना संभव है। इसलिए, अभी दर में कटौती की आवश्यकता नहीं है।

आरबीआई एमपीसी बैठक के सदस्य

एमपीसी बैठक का अध्यक्ष आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास है। वहीं इस समिति के सदस्य शशांक भिड़े, आशिमा गोयल, जयंत आर वर्मा, राजीव रंजन और माइकल देबब्रत है।

इस देश ने ब्याज दर में की कटौती

दुनिया में इस साल स्विट्जरलैंड ब्याज दरों में कटौती करने वाली पहली बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। वहीं निया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान ने नकारात्मक ब्याज दरों की आठ साल की अवधि समाप्त कर दी है।

**रेपो रेट क्या है? (What is Repo Rate)**

देश के सभी बैंक को संचालन के लिए कर्ज की आवश्यकता होती है। बैंक केंद्रीय बैंक से यह कर्ज लेता है। केंद्र बैंक जिस दर पर बैंक को कर्ज देती है उसे ही रेपो रेट (Repo Rate) कहते हैं। रेपो रेट का सीधा कनेक्शन लोन पर पड़ता है।

दरअसल, जिस दर पर केंद्र बैंक कर्ज देती है, उसी दर पर बैंक भी ग्राहकों को लोन (Loan) देता है। ऐसे में अगर आरबीआई रेपो रेट में कटौती करने का फैसला लेता है तो इसका असर लोन पर पड़ता है। यानी कि होम लोन (Home Loan), व्हीकल लोन (Vehicle Loan) या फिर बाकी लोन की ब्याज दरें कम हो जाती है।

**इनसाइड**

## अमेरिका में बॉन्ड यील्ड बढ़ने के कारण भारत में बिकवाली जारी रखेगा FPI

अमेरिका में बढ़ती बॉन्ड पैदावार इक्विटी बाजारों को प्रभावित कर रही है। जुलाई में फेड की ओर से दर में कटौती की उम्मीद अब धूमिल होती जा रही है क्योंकि श्रम बाजार में गिरावट जारी है। फेड प्रमुख हाल ही में नरम रुख अपना रहे हैं लेकिन बाजार अब 2024 में 3 दरों में कटौती के बारे में कम आशावादी है। वैश्विक स्तर पर इक्विटी बाजारों पर दबाव बना रहेगा।

**नई दिल्ली।** जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार का कहना है कि अमेरिका में बढ़ती बॉन्ड पैदावार इक्विटी बाजारों को प्रभावित कर रही है। जुलाई में फेड की ओर से दर में कटौती की उम्मीद अब धूमिल होती जा रही है क्योंकि श्रम बाजार में गिरावट जारी है।

उन्होंने कहा, भारत में एफपीआई बिकवाली जारी रख सकते हैं। कच्चे तेल ब्रेंट 89 डॉलर पर के बढ़ने से मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका है जिससे फेड की कटौती करने की क्षमता बाधित होगी। भले ही फेड प्रमुख हाल ही में नरम रुख अपना रहे हैं, लेकिन बाजार अब 2024 में 3 दरों में कटौती के बारे में कम आशावादी है। यह वैश्विक स्तर पर इक्विटी बाजारों पर दबाव बना रहेगा।

भारत में बिकवाली जारी रखेगा FPI

यह संभव है कि डिप्स को खरीदा जाएगा क्योंकि यह भारत में एक सफल रणनीति रही है और घरेलू पैसा यहां शॉर्ट्स लगा रहा है।

# भारत अपना पहला वाणिज्यिक कच्चा तेल रणनीतिक भंडारण बनाएगा

परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली।** आपात स्थिति में आपूर्ति दिक्कतों से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए भारत कच्चे तेल का अपना पहला वाणिज्यिक रणनीतिक भंडारण बनाएगा। सरकार ने देश में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तैयार करने और उसके परिचालन के लिए विशेष इकाई इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आइएसपीआरएल) का गठन किया है।

इस इकाई ने कर्नाटक के पादुर में 25 लाख टन भूमिगत भंडारण बनाने के लिए 22 अप्रैल तक बोलियां मांगी हैं। दरअसल, आइएसपीआरएल ने पहले चरण में तीन स्थानों पर 53.3 लाख टन का भंडारण बनाया था। ये तीन जगह आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम (13.3 लाख टन) कर्नाटक में मंगलुरू (15 लाख टन) तथा पादुर (25 लाख टन) हैं। तेल के भंडारण के लिए ये भूमिगत चट्टानी गुफाएं हैं। पहले चरण के तहत भंडारण का निर्माण सरकारी खर्च पर किया गया है।

दूसरे चरण में आइएसपीआरएल की पादुर-दो में 5,514 करोड़ रुपये की लागत से वाणिज्यिक सह रणनीतिक भूमिगत पेट्रोलियम भंडार तैयार करने की योजना है। इसमें जमीन के ऊपर संबंधित सुविधाएं भी शामिल है। इस निर्माण कार्य में 25 लाख टन कच्चा तेल के रणनीतिक भंडार के लिए एसपीएम (सिंगल पॉइंट मूरिंग) और संबद्ध पाइपलाइन (तट पर और अपतटीय) का निर्माण शामिल हैं।

दूसरे चरण में आइएसपीआरएल की पादुर-दो में 5514 करोड़ रुपये की लागत से वाणिज्यिक सह रणनीतिक भूमिगत पेट्रोलियम भंडार तैयार करने की योजना है। इसमें जमीन के ऊपर संबंधित सुविधाएं भी शामिल है। इस निर्माण कार्य में 25 लाख टन कच्चा तेल के रणनीतिक भंडार के लिए एसपीएम (सिंगल पॉइंट मूरिंग) और संबद्ध पाइपलाइन (तट पर और अपतटीय) का निर्माण शामिल हैं।

आईएसपीआरएल ने निविदा में कहा कि पादुर-दो का निर्माण पीपीपी (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) मॉडल में किया जाएगा। इसमें निजी इकाइयां भंडारण का डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण और परिचालन करेंगी। बोलीदाताओं से कहा गया है कि वे भंडारण के निर्माण के लिए आवश्यक वित्तीय अनुदान या उस प्रीमियम/शुल्क का बतायें जो वे प्राधिकरण को देना चाहते हैं।

निविदा दस्तावेज में कहा गया है कि यह परियोजना उन इकाइयों को दी जाएगी, जो अधिक प्रीमियम/शुल्क देंगे। जहां कोई भी बोली लगाने वाला प्रीमियम की पेशकश नहीं कर रहा है, यह सबसे कम अनुदान चाहने वाले को दी जाएगी। आईएसपीआरएल ने कहा, ''परियोजना के लिए अनुदान की अधिकतम सीमा 3,308 करोड़ रुपये होगी। एक बोली लगाने वाला जो अनुदान चाहता है वह कोई प्रीमियम नहीं दे सकता है।''

# इस किस्म के चावल निर्यात को मिली सरकार की मंजूरी, 1000 टन चावल पर नहीं लगेगा शुल्क

परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली।** देश में कई तरह के चावल की खेती होती है। इन चावलों में से एक कालानमक है। कालानमक चावल (Kala Namak Rice) को गैर-बासमती माना जाता है। विदेश में इस चावल की काफी डिमांड है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (Directorate General of Foreign Trade) ने कालानमक के निर्यात को लेकर एक नोटिफिकेशन जारी किया है। नोटिफिकेशन के अनुसार 1,000 टन तक के कालाचावल के निर्यात पर लगने वाला शुल्क को खत्म कर दिया गया है। कालानमक चावल के विदेशी शिपमेंट पर शुल्क 20 प्रतिशत लगता है।

मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार चावल की इस किस्म के 1,000 टन तक के निर्यात पर शुल्क छूट बुधवार यानी आज से लागू होगी।

# वित्त वर्ष 2024 के लिए इंडायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के रिवाइज्ड एस्टिमेंट में होंगी बढ़ोतरी

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त वर्ष 2024 के लिए अप्रत्यक्ष कर संग्रह 14.84 लाख करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान (आरई) को अच्छे मार्जिन से पार कर गया है जिसे रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह से मदद मिली है। 2023-24 के लिए सकल जीएसटी संग्रह भी 20.18 लाख करोड़ रुपये के संग्रह के साथ एक मील का पत्थर है। इसमें राज्य जीएसटी केंद्रीय जीएसटी एकीकृत जीएसटी और मुआवजा उपकर शामिल है ।

**नई दिल्ली।** एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 के लिए अप्रत्यक्ष कर संग्रह 14.84 लाख करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान (आरई) को अच्छे मार्जिन से पार कर गया है, जिसे रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह से मदद मिली है।

कर अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए, सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने क्षेत्रीय अधिकारियों को लिखे पत्र में कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क सहित वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए संशोधित अनुमान अच्छे अंतर से अप्रत्यक्ष कर संग्रह इससे अधिक हो गया है।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल व्यावसायिकता को दर्शाती है, बल्कि सीबीआईसी समुदाय के भीतर टीम वर्क और दृढ़ता की ताकत को भी रेखांकित करती है, उन्होंने कहा, कि आपके अथक प्रयासों पर ध्यान नहीं दिया गया है, और मैं प्रत्येक सदस्य को उनके अमूल्य योगदान के लिए दिल से सराहना करता हूं।

**20.18 लाख करोड़ रुपये का GST कलेक्शन**

2023-24 के लिए सकल जीएसटी संग्रह भी 20.18 लाख करोड़ रुपये के संग्रह के साथ एक मील का पत्थर है। जिसमें राज्य जीएसटी, केंद्रीय जीएसटी, एकीकृत जीएसटी और मुआवजा उपकर शामिल है - जो पिछले वर्ष के संग्रह से 11.7 प्रतिशत अधिक है। सीबीआईसी अध्यक्ष ने कहा.

मुआवजा उपकर सहित केंद्रीय जीएसटी के लिए आरई 9.57 लाख करोड़ रुपये था, जबकि उत्पाद शुल्क के लिए यह 3.08 लाख करोड़ रुपये और सीमा शुल्क 2.19 लाख करोड़ रुपये था।

इस साल फरवरी में पेश किए गए अंतरिम बजट में, सरकार ने वित्त वर्ष 2024 (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) में प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य बढ़ाकर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया, जबकि जीएसटी, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क सहित अप्रत्यक्ष करों के लिए लक्ष्य घटाकर 14.84 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया।

**पिछले वित्त वर्ष का संग्रह**

पिछले वित्त वर्ष के दौरान जीएसटी उच्चतम स्तर पर रहा, अप्रैल 2023 में संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया और मार्च 2024 में 1.78 लाख करोड़ रुपये का दूसरा सबसे बड़ा संग्रह आया।

संशोधित अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 के लिए सकल कर संग्रह लक्ष्य 34.37 लाख करोड़ रुपये था।

कर संग्रह आर्थिक गतिविधि का प्रतिबिंब है। एनएसओ के अनुमान के मुताबिक, भारत दुनिया को मात देने वाली विकास दर दर्ज कर रहा है और 2023-24 में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

घरेलू खपत और सरकारी पूंजीगत व्यय देश की आर्थिक गति के मुख्य चालक हैं।

**भारतीय अर्थव्यवस्था 8 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी**

भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार तीन तिमाहियों (अप्रैल-दिसंबर) में 8 प्रतिशत से अधिक बढ़ी, और विभिन्न एजेंसियों ने वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत के विकास अनुमान को संशोधित कर 8 प्रतिशत के करीब कर दिया है।

एसबीआई रिसर्च और मूडीज को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी ग्रोथ 8 फीसदी रहेगी। फिच और बार्कलेज ने अपनी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.8 फीसदी कर दिया है।

# फोर्ब्स : अरबपतियों की सूची में इस बार 31 भारतीय बढ़ गए

परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली।** पिछले साल फोर्ब्स ने जो अरबतियों की सूची जारी की थी उसमें भारत से 169 अरबति शामिल थे' इस बार 2024 की जो लिस्ट जारी हुई उसमें 200 भारतीय शामिल किए गए हैं' इन भारतीयों की कुल सम्पत्ति 954 अरब डॉलर है, जो पिछले साल के 675 अरब डॉलर से करीब 41 फीसदी अधिक बताई गई' इन भारतीयों की सूची में सबसे ऊपर मुकेश अंबानी का नाम है, जिनकी कुल सम्पत्ति 83 अरब डॉलर से बढ़कर 116 अरब डॉलर हो गई' अब अंबानी 100 अरब डॉलर के क्लब में प्रवेश कर चुके हैं' ऐसा करने वाले वे पहले एशियारी हो गए' इसके बाद गौतम अडानी व अन्य का नाम आता है'

**ये हैं भारत के 10 सबसे अमीर लोग**

मुकेश अंबानी- नेट वर्थ 116 अरब डॉलर
गौतम अदाणी- कुल संपत्ति 84 अरब डॉलर
शिव नादर- कुल संपत्ति 36.9 अरब डॉलर
सावित्री जिंदल- नेट वर्थ 33.5 अरब डॉलर
दिलीप सांघवी- नेट वर्थ 26.7 अरब डॉलर
साइरस पूनावाला- कुल संपत्ति 21.3 अरब डॉलर
कुशल पाल सिंह- नेट वर्थ 20.9 अरब डॉलर
कुमार बिड़ला – कुल संपत्ति 19.7 अरब डॉलर
राधाकिशन दमानी- कुल संपत्ति 17.6 अरब डॉलर
लक्ष्मी मित्तल- कुल संपत्ति 16.4 अरब डॉलर

# अपनी संपत्ति रजिस्टर करने जा रहे हैं? इन 8 चीजों का ध्यान रखें

कुछ आसान सुझाव देते हैं जो प्रक्रिया को बिना किसी परेशानी के पूरा करने में आपकी मदद करेंगे. आइए देखते हैं कि आठ चरणों में तैयारी :

**पहले दिन,** बैठें और सभी दस्तावेज रखें जो रजिस्ट्री के समय आवश्यक हैं. उन्हें और अधिक से अधिक बेला मत करो यदि आप सावधान नहीं हैं, तो आपके कागजात खोने का खतरा बढ़ जाता है. कार्यालय छोड़ने से पहले, सुनिश्चित करें कि आपने अपने सभी दस्तावेज एकत्र किए हैं.

**समय :** सब-रजिस्ट्रेशन मजिस्ट्रेट का कार्यालय सभी कार्य दिवसों के दौरान 9.30 बजे से 6 बजे के बीच चल रहा है दो से दो बजे बीच दोपहर के भोजन का समय होता है. अपने दिन को तदनुसार नियोजित करें. यह केवल बेहतर होगा यदि आप उस दिन के लिए कुछ और योजना नहीं बनाते हैं, जिस पर संपत्ति पंजीकरण होना है. आराम का आश्वासन दिया कि आपका पूरा दिन यहाँ खर्च किया जाएगा चूंकि यह आपके लिए बिल्कुल महत्वपूर्ण है कि सभी ठीक हो जाते हैं, केवल एक ही चीज़ पर अपना फ़ोकस रखें.

**भुगतान :** चूंकि सभी चीजों को डिजिटल रूप से पूरा किया जाता है, इसलिए आपकी संपत्ति रजिस्टर करने के लिए वास्तव में उप-पंजीयक के कार्यालय में दिखाई देने से पहले स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क का भुगतान किया जाता है. लेनदेन के इस हिस्से की देखभाल करने के लिए एक वकील की सहायता भी लें. यह टिकट की शुल्क और पंजीकरण शुल्क देने के बाद ही होता है, जो संपत्ति पंजीकरण के लिए नियुक्ति ले जाती है.

**दस्तावेज :** संपत्ति के दस्तावेज के साथ-साथ, अपने आधार और पैन कार्ड के हर समय आपके पास रहें. आधार के स्थान पर आप अपने मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट भी बना सकते हैं. ये पहली चीजें हैं जिन्हें आपको फ्लैश करना होगा. जब टेलर, रीडर और उप-दंडाधिकारी आपके नाम पर कॉल करेंगे.

**टीडीएस :** अगर सौदा 50 लाख रुपये से

अधिक का था, तो खरीदार को एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि उसने संपत्ति मूल्य से टीडीएस के रूप में एक प्रतिशत काट लिया है. उस कागज को अपने साथ रखने के लिए मत भूलना.

**गवाह :** प्रक्रिया की प्रक्रिया के लिए आपके गवाह बहुत महत्वपूर्ण हैं, उन्हें पूरी प्रक्रिया के माध्यम से आपके साथ उपस्थित होना है और उनके पास एक मान्य आईडी प्रमाण होना चाहिए. आपके गवाह आदर्श होना चाहिए, जिन्हें आप अच्छी तरह जानते हैं. किसी भी परिस्थिति में प्रक्रिया में उनकी भूमिका को केवल शैक्षिक रूप में ही नहीं माना जाता है.

**कोई निजीकरण नहीं :** सभी को उप-पंजीयक के कार्यालय में समान रूप से व्यवहार किया जाता है. उदाहरण के लिए, महिलाओं या वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोई अलग कतार नहीं है.

**वितरण :** आमतौर पर आपके दस्तावेज़ों को पंजीकरण करने के लिए 15 दिनों का समय लगता है. पंजीकरण के समय आपको प्राप्त रसीद का उत्पादन करने के बाद ही आपके दस्तावेजों को आपको वापस सौंप दिया जाएगा. अगर आपने गृह ऋण लिया है, तो बैंक अपने प्रतिनिधि को दस्तावेज़ एकत्र करने के लिए भेज सकता है. आप कागजात एकत्र कर सकते हैं और बैंक को स्वयं को दे सकते हैं।

# आदिवासी युवक की हाजत मौत पर भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस महानिदेशक से मुलाकात की

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

**भुवनेश्वर:** क्योंझर जिले के पुलिस स्टेशन हाजत में अप्राकृतिक मौत कोई अपवाद नहीं बल्कि एक सामान्य घटना बन गई है। खासकर जिले के खनन क्षेत्र जोड़ा-बड़बिल में खनन माफियाओं के साथ पुलिस की साठगांठ किसी को आश्चर्यचकित नहीं करती, जबकि वहां के थाने आम जनता के लिए यातना शिविर के रूप में काम कर रहे हैं । राज्य सरकार के आदिवासी विरोधी रवैये के कारण युवा और महिलाएं असुरक्षित हो गयी हैं । उदाहरण के तौर पर पिछले 25 तारीख को एक आदिवासी युवक दिनेश नायक ( 23 ) को क्योंझर जिले के जोड़ा थाना पुलिस ने किसी कारण से उठा लिया था । पिछले 27 तारीख को गिरफ्तार आदिवासी युवक का शव स्थानीय टिस्को अस्पताल से बरामद किया गया था । श्री नायक अपने माता-पिता के इकलौते कमाऊ पुत्र हैं। हालाँकि, मृतक श्री नायक की घटना के 4 दिन से भी कम समय में शादी हो गई और शादी के चौथे दिन वह पुलिस की बर्बरता का शिकार हो गए। राज्य के प्रवक्ता श्री सत्यब्रत पांडा ने कहा, ₹ऐसी नारकीय घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है।

न केवल क्योंझर जिले के जोड़ा थाना क्षेत्र में एक मौत हुई, बल्कि पिछले साल जनवरी

महीने में जिले के खनन क्षेत्र में भी एक मौत हुई थी । लगातार हो रही मौतों और खनन माफियाओं के साथ पुलिस संबंधों के कारण, केनरुझार जिले को बड़बिल अचल के नाम से जाना जाता है। पिछले 3 दिनों में उन्होंने क्योंझर जिले के एसपी से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की । लेकिन एसपी ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है । भाजपा मंडल प्रतिनिधियों ने प्रदेश प्रवक्ता सत्यब्रत पंडा के नेतृत्व में पुलिस महानिदेशक से मुलाकात की ।

दिनेश का परिवार पुलिस के डर से मुंह नहीं खोल रहा है। पुलिस हिरासत में आरोपी आदिवासी युवक की संदिग्ध मौत की भाजपा ने कड़ी निंदा की है । उन्हें पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए क्योंकि क्योंझर जिले के एसपी एनए कार्रवाई नहीं कर रहे हैं । श्री पांडा ने मांग की कि जोड़ा थाना प्रभारी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाये और मृतक आदिवासी दिनेश नायक के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाये ।

इस प्रतिनिधिमंडल में कटक जिला अध्यक्ष लालतेन्दु बुडु, प्रदेश कार्यकारी सदस्य मुरली मनोहर शर्मा और राधाकांत महंथ, प्रदेश चुनाव सेल संयोजक जयंत जेना ने मुख्य पुलिस महानिदेशक ( मानवाधिकार संरक्षण सेल ) ललित दास से मुलाकात की और मांग पत्र सौंपा ।

# फ्लाई ओवर ब्रिज की सर्विस रोड का कार्य शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

भारत टाकीज स्थित फ्लाईओवर ब्रिज की सर्विस रोड बनाए जाने का कार्य शुरू हो गया है। आदर्श नगर निवासी आरटीआई कार्यकर्ता ने पूर्व में उत्तर प्रदेश सरकार सहित राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग मंत्रालय नई दिल्ली को समय-समय पर भेजी शिकायतों में अवगत कराया था कि नजीबाबाद कोटद्वार मार्ग स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 1 बी पर बने फ्लाईओवर ब्रिज की सर्विस रोड खस्ता हालत में होने से आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है बरसात में तो हालात बद से बदतर हो जाते हैं और जगह-जगह सर्विस रोड में गड्ढे हो रखे हैं इस संबंध में पीडब्ल्यूडी नजीबाबाद ने भी पूर्व में हाथ खड़े कर लिए थे कहा था कि उक्त सर्विस रोड हमें स्थानांतरित नहीं हुई है इसके बाद आरटीआई कार्यकर्ता ने राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय नई दिल्ली को अवगत कराया जिस पर राष्ट्रीय राजमार्ग के परियोजना निदेशक राजकुमार नागरवाल ने सर्विस रोड के संबंध में संबंधित अथॉरिटी इंजीनियर को कार्यवाही के दिशा निर्देश जारी किए हैं इसी परिपेक्ष में बीते मंगलवार से उक्त सर्विस रोड निर्माण का कार्य शुरू हो गया है जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है और खुशी जाहिर की है।

## बादल छाए रहने से कल गर्मी से मिलेगी राहत, दो दिन बाद फिर करवट लेगा मौसम

शुक्रवार को दिन में 25 से 35 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवा चलने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 35 डिग्री व न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को बादल छाए रहने की संभावना है। इससे मौसम सुहावना रहेगा और गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, इस दौरान सुबह और दिन का तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है। वहीं, शुक्रवार को बूंदाबांदी के आसार बन रहे हैं। इस दौरान तेज हवा चल सकती हैं। जिससे पारे में गिरावट आ सकती है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। वहीं, न्यूनतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से एक डिग्री कम रहा। दिन के समय दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम व उत्तर-पूर्व दिशाओं से हवा चली। मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार को अधिकतम तापमान 37 और न्यूनतम तापमान 18 रहने की संभावना है। वहीं, शुक्रवार को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। साथ ही कई इलाकों में बारिश होने के आसार है। दिन में 25 से 35 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवा चलने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 35 डिग्री व न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। शनिवार को आसमान साफ रहने की आशंका हैं। दिन में 25 से 35 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवा चल सकती हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

# मुस्लिमों के संदर्भ में बदली है भाजपा की रणनीति...

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

**भुवनेश्वर।** क्योंझर जिले के पुलिस स्टेशन हाजत में अप्राकृतिक मौत कोई अपवाद नहीं बल्कि एक सामान्य घटना बन गई है। खासकर जिले के खनन क्षेत्र जोड़ा-बड़बिल में खनन माफियाओं के साथ पुलिस की साठगांठ किसी को आश्चर्यचकित नहीं करती, जबकि वहां के थाने आम जनता के लिए यातना शिविर के रूप में काम कर रहे हैं । राज्य सरकार के आदिवासी विरोधी रवैये के कारण युवा और महिलाएं असुरक्षित हो गयी हैं । उदाहरण के तौर पर पिछले 25 तारीख को एक आदिवासी युवक दिनेश नायक ( 23 ) को क्योंझर जिले के जोड़ा थाना पुलिस ने किसी कारण से उठा लिया था । पिछले 27 तारीख को गिरफ्तार आदिवासी युवक का शव स्थानीय टिस्को अस्पताल से बरामद किया गया था । श्री नायक अपने माता-पिता के इकलौते कमाऊ पुत्र हैं। हालाँकि, मृतक श्री नायक की घटना के 4 दिन से भी कम समय में शादी हो गई और शादी के चौथे दिन वह पुलिस की बर्बरता का शिकार हो गए। राज्य के प्रवक्ता श्री सत्यब्रत पांडा ने कहा, ₹ऐसी नारकीय घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है।

न केवल क्योंझर जिले के जोड़ा थाना क्षेत्र में एक मौत हुई, बल्कि पिछले साल जनवरी महीने में जिले के खनन क्षेत्र में भी एक मौत हुई थी । लगातार हो रही मौतों और खनन माफियाओं के साथ पुलिस संबंधों के कारण, केनरुझार जिले को बड़बिल अचल के नाम से जाना जाता है। पिछले 3 दिनों में उन्होंने क्योंझर जिले के एसपी से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की । लेकिन एसपी ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है । भाजपा मंडल प्रतिनिधियों ने प्रदेश प्रवक्ता सत्यब्रत पंडा के नेतृत्व में पुलिस महानिदेशक से मुलाकात की।

दिनेश का परिवार पुलिस के डर से मुंह नहीं खोल रहा है। पुलिस हिरासत में आरोपी आदिवासी युवक की संदिग्ध मौत की भाजपा ने कड़ी निंदा की है । उन्हें पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए क्योंकि क्योंझर जिले के एसपी एनए कार्रवाई नहीं कर रहे हैं । श्री पांडा ने मांग की कि जोड़ा थाना प्रभारी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाये और मृतक आदिवासी दिनेश नायक के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाये ।

इस प्रतिनिधिमंडल में कटक जिला अध्यक्ष लालतेन्दु बुडु, प्रदेश कार्यकारी सदस्य मुरली मनोहर शर्मा और राधाकांत महंथ, प्रदेश चुनाव सेल संयोजक जयंत जेना ने मुख्य पुलिस महानिदेशक (मानवाधिकार संरक्षण सेल) ललित दास से मुलाकात की और मांग पत्र सौंपा ।

# महिला मंडल नालासोपारा में दशा माता की कलश शोभायात्रा निकाली गई

परिवहन विशेष न्यूज

महाराष्ट्र नालासोपारा समस्त 36 कौम महिला मंडल नालासोपारा में दशा माता की कलश शोभायात्रा निकाली गई। और दशा माता की सायं 4 .15 बजे पुजा अर्चनाकर कि ओर कलश शोभायात्रा शुरू कि हनुमान जी मंदिर से आईमाता जी के मंदिर प्रांगण में पहुंची। समस्त महिलाओं ने भजन कीर्तन किया उसके साथ गाने नृत्य प्रस्तुत भी किया। दशा माता की पुजा अर्चनाकर जो पिंपल के पास पुजा अर्चनाकर की पिंपल के चारों तरफ मोली लागाई ओर एक मोली लेकर फिर एक दशा माता के नाम से गांठ लागा ते है और मोली को गले में फेरते हैं दशा माता का उपवास रखते हैं महिला मंडल शांति हिरालाल चौधरी , दिव्या राजपूत, भारती बहन जैन, कोमल राठौड़, प्रभा सिसोदिया , ललिता जोशी, कमला राजपूत , समस्त महिला मंडल,सभी 36 कौम समाज बन्धुओं, शांति हिरालाल चौधरी ने जानकारी दी।

# भाजपा का चुनावी शंखनाद आज, लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल दाखिल करेंगे नामांकन

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

**भीलवाड़ा।** भीलवाड़ा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल आज अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इस अवसर पर स्थानीय आजाद चौक में प्रातः 9.30 बजे आयोजित विशाल आमसभा को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश सहप्रभारी विजया ताई रहाटकर सहित कई वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि विशाल नामांकन सभा में मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश सहप्रभारी के साथ ही लोकसभा सह प्रभारी गजपाल सिंह राठौड़, जिला संगठन प्रभारी रतनलाल गाडरी, सांसद सुभाष बहेड़िया, लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, बूंदी जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, जिला प्रमुख बरजीदेवी भील, विधायक उदयलाल भडाणा, गोपाल खंडेलवाल, लालाराम बैरवा, गोपीचंद मीणा, लादूलाल पीतलिया, जब्बरसिंह सांखला, विधायक प्रत्याशी विट्ठल शंकर अवस्थी, लोकसभा संयोजक शक्तिसिंह कालियास सहित कई वरिष्ठ नेताओं की भी विशिष्ट उपस्थिति रहेगी।

नामांकन कार्यक्रम एवं विशाल आमसभा को ऐतिहासिक सफल बनाने के लिए भीलवाड़ा लोकसभा क्षेत्र की आठों विधानसभाओं से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता आजाद चौक पहुंचेंगे और लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में भाजपा के इस चुनावी शंखनाद के साक्षी बनेंगे। इससे पूर्व आमसभा स्थल आजाद चौक में आयोजन संबंधी व्यवस्थाओं का लोकसभा सहप्रभारी गजपाल सिंह राठौड़, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, सभापति एवं विधानसभा समन्वयक राकेश पाठक ने जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस अवसर पर अंकुर बोरदिया, सुरेंद्रसिंह मोटरास, गोपाल डाड, विनोद झुर्रानी, मनोज बुलानी, मनीष जांगिड़ सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पार्षदों की बैठक आयोजित - नामांकन सभा की तैयारियों को लेकर जिला कार्यालय पर शहर के सभी भाजपा पार्षदों की बैठक लोकसभा सहप्रभारी गजपाल सिंह राठौड़, लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, सभापति राकेश पाठक, पूर्व सभापति मुकेश शर्मा के सानिध्य में आयोजित हुई। बैठक में सभी पार्षदों से अपने अपने वार्डों से ज्यादा से ज्यादा लोगों को सभा में लाने का आह्वान किया गया, साथ ही लोकसभा चुनाव में अपने वार्ड के प्रत्येक बूथ से भाजपा को विजय दिलाने की रणनीति तैयार करने के दिशा निर्देश दिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023